आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार — 16 वें वर्ष में प्रवेश

जबलपुर ● शुक्रवार, 4 फरवरी, 2022

जबलपुर का स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और सफल कदम

किडनी ट्रांसप्लांट

सुविधा अब

बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल में

लेप्रोस्कोपिक विधि से किडनी ट्रांसप्लांट

आधुनिक मशीनों से डायलिसिस की सुविधा

डॉ. विशाल बढेरा

किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन

एम. डी, डी. एन. बी

वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

किडनी के रोगों का संपूर्ण समाधान

24 घंटे डायलिसिस की सुविधा

महाकौशल की सर्वप्रथम विश्वस्तरीय डायलिसिस (5008 Hemodialysis) मशीन से उपचार

CAPD (पेरिटोनियल डायलिसिस) और CRRT की सुविधा उपलब्ध

किडनी (रीनल) फेलियर ट्रीटमेंट

डॉ. राजेश पटेल

किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन

एम. एस, डी. एन. बी

वरिष्ठ गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ

दूरबीन एवं लेजर पद्धति द्वारा पथरी का ईलाज

लेप्रोस्कोपी द्वारा गुर्दे एवं मूत्राशय की बीमारियों का ईलाज़

महिलाओं के विभिन्न मूत्र रोगों का ईलाज़

मूत्र तंत्र से संबंधित कैंसर का ईलाज़

प्रोस्टेट ग्रंथि की बीमारियों का ईलाज़

बच्चों की जन्मजात बीमारियों का ईलाज़

किडनी (गुर्दा) रोगों को नज़र अंदाज़ न करें विशेषज्ञ की सलाह लें

BADERIA METROPRIME

Multi Speciality Hospital

MEDICLAIM, E.S.I, C.G.H.S, C.S.M.A, AYUSHMAN BHARAT, POLICE

केंद्र एवं राज्य सरकार के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों हेतु शासन द्वारा अधिकृत अस्पताल

9575300267 Damoh Naka, Jabalpur (MP) | www.metroprimehospital.com

स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया, जबलपुर मेरी आत्मा में बसा

जबलपुर,यशभारत। स्थानातंरण एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन जबलपुर मेरी आत्मा में बसा है। यहां के लोगों ने जिस तरह से मुझे भरपूर सहयोग किया वह मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। जबलपुर को मां नर्मदा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। यह कहना है जबलपुर के पूर्व कलेक्टर कर्मवीर शर्मा का। यशभारत के लोकप्रिय कार्यक्रम प्राईम टाईम विद आशीष शुक्ला ने जहां सबसे पहले उनका साक्षात्कार दिखाया था वहीं अब श्री शर्मा के स्थानातंरण के पश्चात उनका इस कार्यकाल का अंतिम साक्षात्कार प्रस्तुत है

यश भारत PRIME TIME WITH ASHISH SHUKLA
वीडियो देखने के लिए यश भारत फेसबुक पर जाएं
शाम 5 बजे प्रसारण

प्राईम टाईम विद आशीष शुक्ला में पूर्व कलेक्टर कर्मवीर शर्मा से आशीष शुक्ला की वार्ता

सभी ने किया भरपूर सहयोग

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा का कहना था कि जब उन्होंने पदभार संभाला, उस समय कोरोना का भय चारों ओर पसरा हुआ था, लेकिन आम जनता ने जो विश्वास और धैर्य बनाए रखा ,साथ ही शहर के जनप्रतिनिधियों, न्यायिक व्यवस्था से जुड़े लोगों ने साथ ही अन्य विभागों के लोगों ने मिलकर भरपूर सहयोग दिया और यह एक सामूहिक प्रयास ही था जिससे हम कोरोना से लड़ने में सक्षम हो सके।

सीमित संसाधनों का किया उपयोग

कलेक्टर श्री शर्मा से जब पूछा गया कि उनके लिए सबसे जटिल चुनौती का कार्य जबलपुर में सेवा के दौरान क्या रहा ,तो उनका कहना था कि, जब मैंने पदभार संभाला तब शहर में कोरोना पीक पर था। हमारे पास पर्याप्त संसाधन नहीं थे इसलिए मौजूद सीमित संसाधनों के साथ ही हमने कोरोना के खिलाफ लड़ाई शुरू की थी। हमने टीम भावना के रूप में काम किया और सफलता पाई वही जो कुछ कमियां रह गई थी वह पूर्व अनुभव के आधार पर दूर की।

गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा रही प्राथमिकता

कोरोना काल के दौरान गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके इसके लिए कलेक्टर कर्मवीर शर्मा द्वारा मेडिकल और जिला अस्पताल विक्टोरिया की क्षमताओं में इजाफा किया गया। इसके साथ ही कोविड केयर सेंन्टरों को भी शुरू किया गया जो की पूर्णता नि:शुल्क थे। श्री शर्मा कहते हैं कि हमारी पहली प्राथमिकता गरीबों और कम आय वालों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना था।

चुनौतियों को अवसर में बदला

कलेक्टर श्री शर्मा से जबलपुर में कार्य के दौरान जब सबसे जटिल चुनौतियों किए बारे में जानना चाहा तो उनका कहना था कि, प्रशासन का काम ही इन चुनौतियों से निपटना होता है। चुनौतियां जब सामने आती थी तो उनसे निपटने के लिए सहयोगी भी आ जाते थे, जिनमें जनप्रतिनिधि, मीडिया, समाजिक संगठनों सहित आम लोगों का प्रशासन के ऊपर विश्वास था, जिसके बल परसभी चुनौतियों से पार पाने में मदद मिली।

पूर्व अनुभव आया काम

तीसरी लहर की भयावह स्थिति को लेकर कलेक्टर श्री शर्मा से जब बात की तो उनका कहना था कि, क्योंकि दूसरी लहर तक स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत हो चुकी थी, अस्पतालों की क्षमता बढ़ा दी गई थी, निजी अस्पतालों से मदद ली जा रही थी, ऑक्सीजन की व्यवस्था भी कर ली गई थी, वहीं प्रतिदिन 5 हजार कोरोना जांच हो रही है, जिस कारण तीसरी लहर का इतना भयावह असर नहीं हुआ जो दूसरी लहर देखकर हम कल्पना कर रहे थे।

जनता की समस्या हल करना मूल उद्देश्य

सीएम हेल्पलाइन को लेकर शहर को द्वितीय स्थान दिलवाने वाले कलेक्टर कर्मवीर शर्मा से जब इस कायापलट के बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि, शासन का मूल उद्देश्य आम लोगों की समस्या का त्वरित निदान करना है। इसी लक्ष्य पर मेरे द्वारा फोकस किया गया। जिसके लिए सख्ती भी बरती गई, लोगों को दंडित भी करना पड़ा। जिसका असर भी हुआ और एक माह में 10 हजाल समस्याओं का निराकरण किया गया।

कोरोना के साथ अन्य गतिविधियों पर भी नजर

कलेक्टर श्री शर्मा का कहना था कि कोरोना की लड़ाई के साथ अन्य गतिविधियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण था ,जिसमें किसान महत्वपूर्ण थे ,जिनके लिये खासतौर पर पाटन क्षेत्र के मटर पैदा करने वाले किसानों को अन्य राज्यों सहित विदेशों में भी एक जिला एक उत्पादन योजना के अंर्तगत बाजार उपलब्ध कराया। प्रदेश सरकार भी किसानों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत हैं और उसी पद चिन्हों पर चलते हुए हमने भी कोरोना से लड़ाई के साथ अन्य क्रियाकलापों को भी सुचारू रूप से जारी रखा। जिसका परिणाम था कि इस बार 4 लाख टन धान की पैदावार हुई जो पिछली बार की तुलना में 12 प्रतिशत ज्यादा है।

संवेदनशीलता भी दिखाई

कलेक्टर श्री शर्मा से जब इस विषय में बात की तो उनका कहना था कि, जिलाध्यक्ष होने के नाते जहां मेरा लक्ष्य था कि सभी योजनाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा सके, वही मानवीय हित में किये जाने वाले कार्यो को भी प्रधानता दी जिसमें दीवाली के समय लोकल शिल्पकारों को बाजार उपलब्ध कराना, ठण्ड के समय निराश्रितों को आश्रय दिलाना, कुपाषित बच्चों पर कार्य, लॉकडाउन के समय लोगों तक सुविधाएं पहुंचाना, कोरोना से अपने माता पिता को खो चुके बच्चों के जीवन निर्वाह की व्यवस्था कराना प्रमुख रहा।

कई प्रोजेक्ट पूरे न कर पाने का मलाल

श्री शर्मा से जब यह पूछा गया कि ,किन कार्यो के अधूरा रहने का आपको मलाल है तो उनका कहना था कि शहर को सुंदर और व्यवस्थित रखने के उद्देश्य से कई योजनाओं की शुरूआत मैने अपने कार्यकाल में की जो एक डेढ साल में पूरी हो जायेगी, जिसके बाद जबलपुर अलग ही रूप में दिखाई देगा। मुझे इस बात का मलाल रहेगा कि यह मेरे कार्यकाल में पूरी नहीं हो पाई।

दो साल बाद मिली एक्टीवा

विजय नगर थाने में की थी शिकायत

जबलपुर यश भारत । विजय नगर थाना अंतर्गत कचनार सिटी से 2 साल पहले स्कूटी चोरी हुई थी पीड़िता ने इसकी रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला करीब 4 महीने पहले आईटीएमएस ने वाहन का चालान किया लेकिन चालान देखकर पीड़िता हतप्रभ रह गई क्योंकि उसका वाहन तो चोरी हो गया था जिसकी जानकारी उसने आईटीएमएस को दी जिसके बाद यातायात की मुस्तैद पुलिस ने आईटीएमएस के अलर्ट पर पुलिस ने आरोपी को दबोच कर स्कूटी बरामद कर ली है। जानकारी अनुसार सौम्या गुप्ता निवासी विजय नगर ने बताया कि उसका वाहन वर्ष 2020 में चोरी हो गया था लेकिन करीब 4 महीने पहले आरटीएमएस की चालानी कार्रवाई उनके लिए वरदान साबित हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी गोहलपुर चौराहे से स्कूटी लेकर निकला था जिसकी आईटीएमएस के माध्यम से चलानी कार्रवाई की गई थी वाहन मालिक की शिकायत के बाद लगातार मॉनिटरिंग की गई जिसके बाद जैसे ही चोर स्कूटी को लेकर गुजरा आईटीएमएस ने यातायात पुलिस को अलर्ट भेजो जिसके बाद वाहन क्रमांक एमपी 20 एसएन 76 85 को शातिर चोर से बरामद किया गया है पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है।

घुघरा फॉल में डूबे युवक का नहीं लगा सुराग

जबलपुर यश भारत । भेड़ाघाट थानांतर्गत घुघरा फॉल में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ पिकनिक मनाने गए गढ़ा लाल बिल्डिंग निवासी 22 वर्षीय युवक अचानक नदी में बह गया युवक के साथ गए दोस्तों ने उसे बचाने की लाख कोशिश की लेकिन पानी का बहाव अधिक होने से युवक 2 मिनट में ही आंखों से ओझल हो गया जिसके बाद आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के माध्यम से नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है लेकिन करीब 20 घंटे बीत जाने के बाद भी युवक का कहीं कोई सुराग नहीं मिला है । भेड़ाघाट थाना प्रभारी सफीक खान ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रयाग वर्मा कल शाम को अपने मोहल्ले के दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ में पिकनिक मनाने गया हुआ था लेकिन अचानक पैर फिसल जाने के कारण युवक तेज धार में बह गया नदी में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है लेकिन अभी तक गोताखोरों को सफलता नहीं मिली है।

रानीताल में मुख्य राइजिंग लाइन में लीकेज

आज शाम को जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

जबलपुर,यशभारत । शहर में रमनगरा व ललपुर की 42 एमएलडी से होने वाली जलापूर्ति प्रभावित होगी। रानीताल में फ्लाईओवर के निर्माण के चलते मुख्य राइजिंग लाइन में ये लीकेज हुआ है। सुधार कार्य के चलते शुक्रवार शाम को जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उधर, स्मार्ट सिटी के चल रहे कामों के चलते राइट टाउन स्टेडियम की रोड बंद रहेगी। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव के मुताबिक रानीताल के पास फ्लाईओवर निर्माण के दौरान राइजिंग मेन पाइप लाइन में लीकेज हो गया है। सुधार के लिए रमनगरा जलशोधन संयंत्र और 42 एमएलडी जल शोधन को 2 से 3 घंटे के लिए बंद किया जायेगा। इसकी वजह से शाम को जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। टंकियों को भरने वाली राइजिंग मेन लाइन फूट जाने के कारण रानीताल के पास सड़क पर पानी भर गया।

बसंत पंचमी कल, बनेंगे चार शुभ संयोग

मंदिरों में होगी मां शारदा की आराधना

जबलपुर। ऋतुराज बसंत के आगमन का पर्व बसंत पंचमी इस बार पांच फरवरी शनिवार को मनाया जाएगा। इस पावन तिथित पर पूरे दिन शुभ योग रहेगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग के साथ ही बुध ग्रह मकर राशि में एक साथ विद्यमान होगें। जिस कारण बुद्धादित्य योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ इस दिन सभी नव ग्रह चार राशियों में ही रहेंगे, जिससे केदार योग का भी निर्माण हो रहा है। इसी समय से कुमार योग भी शुरू हो जाएगा। बसंत पंचमी स्वयं सिद्ध मुहूर्त होने से इस दिन कई शुभ और मांगलिक कार्य होंगे। इसके चलते गृह प्रवेश, गृह आरंभ नवीन प्रतिष्ठान का शुभारंभ व ज्वेलरी की खरीदी करना श्रेष्ठ रहेगा। शहर में बसंत पंचमी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर में अनेक जगह झांकी सजाकर प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। प्रतिदिन शाम को महाआरती होगी। पूजा का शुभ मुहूर्त शनिवार सुबह 3:47 से शुरू होकर अगले दिन 6 फरवरी रविवार सुबह 3:40 तक रहेगा।

पदोन्नत अधिकारियों के साथ पुलिस अधीक्षक रेल

रेल एसपी ने कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक को लगाए स्टार

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक रेल कार्यालय जबलपुर में पुलिस अधीक्षक रेल विनायक वर्मा के द्वारा प्रधान आरक्षक से कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए अधिकारियों को उनके कंधे में स्टार लगाकर बधाई दी । इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रतिमा पटेल, उप पुलिस अधीक्षक आर.के. गौतम भी उपस्थित रहे।

पदोन्नत अधिकारियों में

1. युनिस खान, 2. राम लाल प्रजापति 3. आर.पी. झारिया 4. जेटू सिंह उरेत,5. धनीराम बैरागी,6. मेपाल सिंह, 7 छोटे लाल झारिया 8, वृद्धि चन्द्र शामिल हैं।

सिमांत सिंह बने राकांपा के जिला अध्यक्ष

जबलपुर। एनसीपी प्रमुख शरद पवार एवं सांसद व राष्ट्रीय महासचिव प्रफुल्ल पटेल ने सिमांत सिंह सोलंकी को जबलपुर जिले का अध्यक्ष घोषित किया है। यह जानकारी मुख्य निरीक्षक एनसीपी मप्र मधुकर कुकड़े ने दी।

फिर बदला मौसम का मिजाज

जबलपुर, । दो दिन बाद फिर मौसम का मिजाज सुबह से बदला हुआ है। सुबह से ही ठंडी हवा लोगों को सिहरा रहीं है। आसमान पर हल्के बादलों कि आवाजाही शुरू हो गई है। जबलपुर के आसपास के जिलों में हुई बारिश और ओलावृष्टि से शुक्रवार को तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। वातावरण में उत्तरी हवा में घुली पश्चिमी गरमाहट से ठंड का असर कम ही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान जहां 29.4 डिग्री तक जा पहुंच गया जो सामान्य से 4 डिसे अधिक रहा। वहीं आज का न्यूनतम तापमान भी 12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में मध्योपरी क्षोभमंडल में ट्रफ के साथ सक्रिय है, जिसके प्रभाव में उत्तरी राजस्थान में प्रेरित चक्रवातीय परिसंचरण भी सक्रिय है।

स्माईल्स by डॉ. शंकरन
व्यापक दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र
केयर ऑफ मंजूषा नर्सिंग एवं मेटरनिटी होम किंग्सवे मेन रोड, सदर बाजार, जबलपुर (म.प्र.) 482001
0761-4098765, मो.9826110610
Website-www.smilesbydrshankaran.com
Email-info@smilesbydrshankaran.com
dr.abhilash@rocketmai.com
डॉ. अभिलाष शंकरन
बी.डी.एस., एम.डी.एस., (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एण्ड एंडोडॉटिक्स)
रजि नं. A- 1918
रूट कैनाल एवं सौंदर्य दंत चिकित्सा विशेषज्ञ
यहाँ दांतों की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है।
-: सुविधाएँ उपलब्ध :-
दंतों की नस का इलाज (रूट कैनाल ट्रीटमेंट), कॉस्मेटिक डेंटिल फिलिंग।, दंतों के पीलेपन का उपचार (डेंटल ब्लीचिंग)।, डेंटल एक्सरे।, दंतों की सफाई (स्केलिंग) एवं पायरिया रोग का उपचार।, फिक्स दाॅत लगवाना (सिरामिक एवं मेटल)।, टेढ़े दातों का इलाज (आर्थोडेन्टिक ट्रीटमेंट)।, बत्तीसी लगवाना- फिक्स एवं निकालने वाली (डेन्चर)।, बच्चों के दांतों का इलाज (पीडोडोन्टिक ट्रीटमेंट)।, डेंटल इम्लांट।, डेन्टल ज्वेलरी।, सड़े हुए दातों को निकालना (डेंटल एक्सट्रैक्शन)।

आर.एण्ड आर. डायबिटिक एण्ड थायराईडक्लीनिक
Dr. Abhishek Shrivastav
MD DMsc Endocrinology (England)
Masters in Endocrinology RCP (England)
Editorial Board Member Joumal of Endocrinology and Metabolism Research
Editorial Board Member MSD Research Publication
क्लीनिक: मदन महल थाने के पास, HP पेट्रोल पंप के सामने नेपियर टाउन, जबलपुर
समय: दोपहर 12 बजे से 7 :30 बजे तक
Regd. No. 31955
रविवार अवकाश

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे
Life Care ICU मुखर्जी हॉस्पिटल
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलोजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. काडियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल (छाति एवं सांस रोग विशेषज्ञ एम.डी)
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंज्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग- पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।
पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761- 4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

Trusted CCTV CAMERA Since- 2009
Sales & Sarvice
C.P. Plus, Hikvision, Dahua
AUTH.DEALER- G.S.ELECTRONIC
0% फायनेंस उपलब्ध हैं।
शॉप नं. 127, कछपुरा ब्रिज, हनुमान मंदिर के सामने, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर Mob:-9098983263,9131193852

आवश्यकता है हेल्थ एवं लाइफ इंश्योरेंस
विश्व की बहुचर्चित कंपनी में कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। मार्केटिंग वालों को प्रथम प्राथमिकता
योग्यता- 10वीं से स्नातक
शीघ्र संपर्क करें
वेतन 5 अंकों में
मो. 9300068860, 7987249262

श्री लक्ष्मी मेडिकल
यहां सभी प्रकार की दवाईयां उपलब्ध, साथ ही पायें 15 से70 प्रतिशत तक की छूट
त्रिवेणी हेल्थ केयर के सामने राइट टाउन स्टेडियम के पास
मो. 9977213219,7691912082

AN ISO 9001-2008 CERTIFIED Co.
डीसेन्ट फुटवेयर
मैरिज स्पेशल शूज
Exclusive Party Shoes
करमचंद चौक, जबलपुर
प्रो. आकाश श्रीवास्तव
मो.: 9425159114, 8982481114

प्रो. प्रेरणा रोहरा
कुल्हड़ वाला -गरमागरम
केसर दूध
सूखे मेवे से भरपूर
विजय नगर, एकता चौक, जेन्ट्री गेट के नीचे
शाम- 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक (अवश्य पधारें) मो. 7974758785

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एम्पोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल, कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी रंग डिजाइन, मिंक कम्बल, रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK
ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE
KATANGA CROSSING
NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
मकर संक्रांति के फ्रुट आयटम उपलब्ध
चना रेबड़ी गजक ड्रायफ्रूट नमकीन तोस लईया लड्डू भेल
AK's Special Pure & Tasty
मनोज संगतानी मो. 9301997304

अब नये परिवेश में
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नाशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कम्बल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने 3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

16 वें वर्ष में प्रवेश

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिन करें

WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 16 अंक 5- ● जबलपुर ● शुक्रवार, 4 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-4 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

नीट पीजी परीक्षा 2022 स्थगित

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी परीक्षा 2022 को 6-8 सप्ताह के लिए टाल दी है। परीक्षा 12 मार्च, 2022 को होनी थी। नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी। दरसअल, एक याचिका में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) पीजी परीक्षा

टालने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में छात्रों के एक समूह ने याचिका दायर कर यह मांग की थी। परीक्षा के आयोजन के लिए नई तिथियों के बारे में मंत्रालय और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की समिति 6-8 सप्ताह के बाद समीक्षा कर फैसला लेगी। पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में दाखिले के इच्छुक छात्रों ने याचिका में दावा किया था कि कई एमबीबीएस स्नातक छात्र अनिवार्य इंटर्नशिप अवधि पूरी न होने के कारण मार्च 2022 की नीट परीक्षा नहीं दे पाएंगे। इसलिए परीक्षा टाल देनी चाहिए।

मप्र में कोरोना के 7,430 नए मामले, 9 की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 7,430 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 9,88,533 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पिछले चौबीस घंटों के दौरान 80,530 सैंपलों की जांच की गयी, जिसमें 7,430 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा इंदौर में छह, भोपाल में दो और रतलाम में एक मरीज की मृत्यु हो गई। इस तरह नौ नए मरीजों की मृत्यु बाद अब तक कुल 10,639 मरीजों की जान गयी है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को कोरोना वायरस संक्रमण के इंदौर में 1,011 और भोपाल में 1,307 नए मामले सामने आये। ये दोनों जिले इस बीमारी से प्रदेश में सबसे अधिक प्रभावित हैं। जबलपुर में 408 सागर में 239, रायसेन में 199 सहित अन्य जिलों में कोरोना के मरीज मिले हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 52,963 ऐक्टिव केस हैं और पिछले 24 घंटों में 8,409 लोगों के स्वस्थ होने से राज्य में इस बीमारी को अब तक 9,24,931 लोग मात दे चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि राज्य में गुरुवार को 2,61,376 लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की खुराक दी गई और अब तक कुल 11,03,54,844 खुराक लोगों को दी जा चुकी हैं।

गुजर चुका तीसरी लहर का पीक

नईदिल्ली। देश में 28 दिसंबर 2021 से शुरू हुई कोरोना की तीसरी लहर का पीक चार हफ्ते में ही आ गया। ओमिक्रॉन वैरिएंट की वजह से शुरू हुई लहर 20 जनवरी के बाद थमनी शुरू हो गई। नए केस में लगातार 14 दिन तक गिरावट के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि पीक गुजर चुका है। देश में 20 जनवरी को सबसे अधिक 3.47 लाख नए संक्रमित मिले थे। 3 फरवरी को 1.47 लाख मरीज मिले हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन समेत दुनिया की ज्यादातर एजेंसियां एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या के आधार पर पीक का अनुमान लगाती है। 7 दिन तक एक्टिव केस में कोई इजाफा न होने पर पीक मान लिया जाता है।देश में गुरुवार को 1.47 लाख नए मामले सामने आए। इस दौरान 2.45 लाख लोग ठीक हुए।

चाचा ने डांटा तो प्रेमी संग लगा ली फांसी

मुरैना। पोरसा के गांव पाल का पुरा में एक प्रेमी जोड़े ने फांसी पर लटककर अपनी जान दे दी है। दोनों एक दूसरे से बेइंतहा मोहब्बत करते थे। पिछले तीन साल से दोनों एक दूसरे से सम्पर्क में थे। यह बात दोनों के घर वालों को पता नहीं थी। एक दिन युवती के चाचा ने उसको प्रेमी से फोन पर बात करते देख लिया तो उसको बहुत डांटा। इस डांट से नाराज होकर युवती अपने प्रेमी के

घर चली गई और वहां जाकर दोनों ने एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की खबर सुबह घर वालों व बाद में गांव वालों को लगी। महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्स्र्र्विशेषज्ञ डॉ. अर्पिता सक्सैना ने मामले की जांच की। पाल का पुरा गांव निवासी अनूप सखवार तथा निशा सखवार एक दूसरे को बहुत प्यार करते थे। लेकिन उनके प्यार की भनक उनके घर वालों को नहीं थीं। दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ता गया। इस बात को तीन वर्ष बीत गए। दोनों के घरवाले अभी तक उनके प्यार से अनजान थे।

फटाफट खबरें

खराब मौसम के कारण उत्तराखंड में पीएम मोदी की वर्चुअल रैली रद्द

उत्तराखंड। शुक्रवार को उत्तराखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली पहली वर्चुअल रैली खराब मौसम के

कारण रद्द हो गई है। भाजपा ने अपने अधिकारिक बयान में कहा, इस वर्चुअल रैली में शामिल होने आने वाले लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने रैली को रद्द करने का फैसला किया है।

शशिकला समेत छह के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो का आरोपपत्र

बेंगलुरु। जयललिता की करीबी वीके शशिकला समेत छह लोगों के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने कर्नाटक हाईकोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया है। यह आरोपपत्र केंद्रीय जेल में शशिकला को तरजीही उपचार दिये जाने और कथित अनियमितता से जुड़े एक मामले में दाखिल हुआ है और इसमें जेल के दो शीर्ष अधिकारियों के भी नाम हैं।शशिकला आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में दोषी करार दी गई थीं और चार साल तक परप्पाना अग्रहारा केंद्रीय जेल में कैद रहीं। उन्हें जनवरी 2021 में रिहा किया गया था। चीफ जस्टिस ऋतुराज अवस्थी और जस्टिस सूरज गोविंदराज की खंड पीठ चेन्नई की सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षाविद केएस गीता की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

टाइम बम लगाकर दहशत फैला रहा था मैकेनिकल इंजीनियर

रीवा। रीवा पुलिस ने डमी टाइम बम रखकर दहशत फैलाने वाले तीन दहशतगर्दों को गिरफ्तार किया है. मुख्य आरोपी मैकेनिकल इंजीनियर है। पिछले 6 साल से ये अलग अलग इलाकों में डमी बम रखकर दशहत फैला रहे थे। अकेले रीवा में ही पिछले 15 दिन में 5 जगह ये बम रख चुके थे. ये बेरोजगार युवक हैं. नौकरी नहीं मिलने के कारण परेशान थे. सरकार ने जब नौकरी नहीं दी तो अपनी बात पहुंचाने के लिए बम रखकर दहशत फैलानी शुरू कर दी। रीवा जिले में डमी टाइम बम रखकर दहशत फैलाने वाले तीन आरोपियों को सुहागी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने पांच अलग-अलग जगहों पर डमी टाइम बम रखा था. ये बेरोजगार हैं. अपनी बेरोजगारी से तंग आकर सरकार का ध्यान खींचने के लिए ये रास्ता अपना लिया था।

असदुद्दीन ओवैसी की कार पर फायरिंग मामले में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की कार पर फायरिंग मामले में बड़ा खुलासा

हुआ है और गोली चलाने वाले आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों आरोपी पिछले कई दिनों से ओवैसी का पीछा कर रहे थे और हमले को अंजाम देने के लिए पूरी प्लानिंग की थी।

हाईकोर्ट का अनूठा फैसला

लिव-इन में रहने वालों को सुरक्षा दी

4 दीवारी से बाहर नहीं निकलेंगे

चंडीगढ़। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले एक जोड़े को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सुरक्षा देते हुए कहा कि दोनों घर की चारदीवारी से बाहर नहीं निकलेंगे। जस्टिस अनूप चितकारा ने कहा कि बेहद जरूरी परिस्थितियों में ही घर से बाहर निकलने की अनुमति दी जा रही है।

इसमें मेडिकल जरूरत होने, जरूरी सामान खरीदने, किसी बेहद करीबी की मौत हो जाने जैसी परिस्थिति में ही छूट दी जाएगी। हाईकोर्ट ने कहा कि ये प्रतिबंध याचिका दायर करने वालों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए हैं। संबंधित थाने के एसएचओ या कोई अन्य

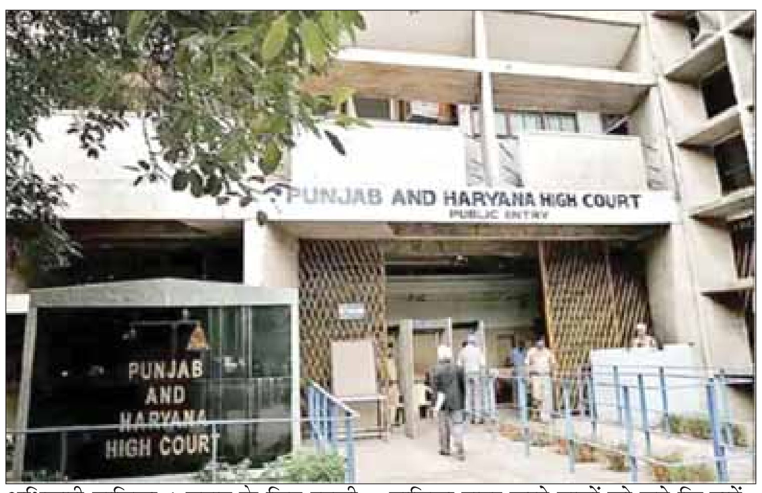

अधिकारी याचिका 1 सप्ताह के लिए इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। इसके बाद यदि याचिका दायर करने वालों को लगे कि उन्हें सुरक्षा की जरूरत नहीं है तो सप्ताह पूरा होने के बाद सुरक्षा को वापस लिया जा सकता है।

लड़के की उम्र कम, इंतजार करना होगा

याची पक्ष की तरफ से वकील संचित पुनिया ने कहा कि दोनों शादी करना चाहते हैं। लड़की की उम्र 18 साल 5 महीने है, लड़के की उम्र 19 साल दो महीने है। ऐसे में लड़के की शादी की उम्र होने तक दोनों को इंतजार करना होगा। लड़की को बुजुर्ग व्यक्ति से शादी करने के लिए विवश किया जा रहा है। परिजनों ने लड़की की जबरन शादी करवाने का प्रयास भी किया, ऐसे में दोनों ने घर से भाग साथ रहने का फैसला किया। लड़की के परिजन दोनों को तलाश रहे हैं और उन्हें जान का खतरा है। कुरुक्षेत्र व यमुनानगर के एसपी को भी रिप्रेजेंटेशन दी गई थी लेकिन कार्यवाही नहीं की गई। ऐसे में हाईकोर्ट से सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई है।

पुणे में देर रात बड़ा हादसा

निर्माणाधीन इमारत में लोहे का स्लैब गिरा

7 मजदूरों की मौत

पुणे। पुणे में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक मॉल के निर्माण के दौरान लोहे का स्लैब गिरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई। 3 गंभीर रूप से घायल हैं। कुछ अन्य भी घायल हुए हैं, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने ट्वीट कर मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जाहिर की है।हादसा येरवडा इलाके में शास्त्री वाडिया बंगले के पास हुआ। यहां एक मॉल बनाया जा रहा था। इसके बेसमेंट में लोहे का स्लैब ढह गया। पुणे के डीसीपी रोहिदास पवार ने बताया कि निर्माण के दौरान जो सावधानियां बरतनी चाहिए थीं, शायद वह नहीं बरती गई।स्थानीय विधायक सुनील टांगरे ने बताया कि मृतकों में ज्यादातर बिहार के रहने वाले हैं। ट्रैफिक पुलिस कमिश्नर राहुल श्रीराम ने बताया कि इमारत में देर रात तक काम चल रहा था, तभी अचानक लोहे का भारी भरकम स्लैब गिर गया। जिस वक्त हादसा हुआ, वहां 10 मजदूर काम कर रहे थे। मरने वाले अधिकांश मजदूर बिहार के बताए जा रहे हैं।

डिंडौरी में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से तीन की मौत

डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बच्छरगांव में ढिमरान टोला के पास गुरुवार की रात ट्रैक्टर ट्राली पलट जाने से उसके नीचे दबे तीन ग्रामीणों की मौत हो गई और अन्य तीन घायल हो गए। सूचना पर गा ?सरई और बजाग थाने का पुलिस बल रात में ही मौके पर पहुंचा और बारिश के बीच जेसीबी लगाकर काफी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर ट्राली को अलग कर मृतकों के शव को बाहर निकाला गया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाए गए। गाड़ासरई थाना प्रभारी स्वाति शर्मा ने बताया कि घोपतपुर से धान का कौड़ा ट्रैक्टर में लोड कर गाड़ासरई में बेचने के बाद ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली में बैठ कर वापस जा रहे थे। रात लगभग 9 से 10 बजे के बीच बच्छरगांव में अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे पलट गई। हादसे में अमर लाल तेकाम घोपतपुर, थान सिंह धुर्वे पिंडरुखी व तुलसी मरपाची ग्राम किवाड़ की मौत हो गई।

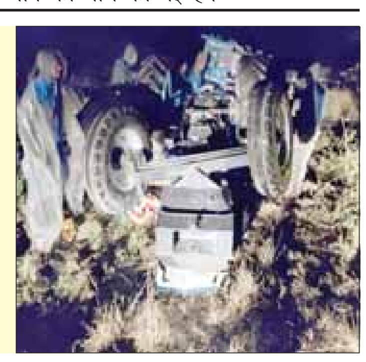

मनी लांड्रिंग मामले में सीएम चन्नी के भांजे हनी गिरफ्तार

मोहाली। मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने वीरवार देर रात करीब दो बजे पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भांजे भूपिंदर सिंह हनी को गिरफ्तार कर लिया है। हनी को आज मोहाली को अदालत में पेश किया जाएगा। वर्ष 2018 में दर्ज हुए अवैध खनन के एक मामले में 18 जनवरी को भूपिंदर सिंह हनी के

मोहाली, लुधियाना व पठानकोट स्थित ठिकानों पर छापे मारे थे। ईडी को भूपिंदर के ठिकाने से 7.9 करोड़, भूपिंदर के साथी संदीप के ठिकाने से 2 करोड़, 21 लाख कीमत के सोने के गहने तथा 12 लाख की रोलेक्स घड़ी बरामद की थी। ईडी ने जालंधर स्थित कार्यलय में वीरवार को भूपिंदर सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया। करीब 9 घंटे तक हुई पूछताछ के दौरान भूपिंदर सिंह घबरा गया और उसने ईडी अधिकारियों के समक्ष तबियत बिगड़ने की बात कही। इसके बाद उसे जालंधर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। रात करीब 1 बजे अस्पताल ने भूपिंदर की सभी जांच रिपोर्ट नार्मल होने का दावा किया। जिसके बाद रात 2 बजे भूपिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी द्वारा भूपिंदर को आज मोहाली की अदालत में पेश किया जाएगा।ईडी ने छापामारी के दौरान कहा था कि देशभर में माफियाओं द्वारा करोड़ों रुपये छुपाए गए हैं, जिसे ईडी द्वारा उजागर किया जा रहा है। केवल पंजाब में अवैध रेत खनन मामले लगभग दर्जनभर जगहों पर छापेमारी की है।लुधियाना में भूपिंदर सिंह हनी के आवासीय परिसर से करोड़ों रुपये बरामद हुए थे।

सचिन वाजे के साथ 100 करोड़ की वसूली रैकेट में शामिल थे अनिल देशमुख

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय ने अपने आरोप पत्र में कई बड़े खुलासे किए हैं। ईडी ने अपने आरोप पत्र में कहा है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने 1992 से अपने पद का गलत फायदा उठाया। उन्होंने अवैध रूप से बहुत पैसा कमाया। अवैध रूप से अर्जित धन का उपयोग 13 कंपनियों में किया गया था। उन्होंने अपने साथ कई सरकारी कर्मचारियों को भी जोड़ा था।आरोप पत्र में आगे कहा गया है कि बर्खास्त मुंबई पुलिस अधिकारी सचिन वाजे ने अपने बयान में ईडी को बताया कि अनिल देशमुख ने 16 साल के निलंबन के बाद उन्हें मुंबई पुलिस में बहाल करने के लिए दो करोड़ रुपये की मांग की थी। अनिल देशमुख को सचिन वाजे से नियमित रूप से जानकारी मिल रही थी और वे एक साथ मुंबई में विभिन्न बार, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों से 100 करोड़ रुपये की वसूली के इस पूरे रैकेट में शामिल थे।

2 नाबालिग छात्राओं को हॉस्टल की छत से फेंका

एक की मौत, दूसरी गंभीर, पटना में आगजनी

पटना। पटना सिटी के बहादुरपुर में एक हॉस्टल की छत से दो नाबालिग छात्राओं को एक सिरफिरे ने नीचे फेंक दिया। हादसे में एक की मौत हो गई। दूसरी को घायल हालत में

लोगों ने क्क्स्ष्ट॥ में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों छात्राएं बहन थीं। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने जमकर बवाल किया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची बहादुरपुर पुलिस पर लोगों की भीड़ ने जमकर पथराव शुरू कर दिया। पुलिस की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इस हादसे में बहादुरपुर थाना प्रभारी, सुलतानगंज थाना प्रभारी सहित एक दर्जन से ज्यादा पुलिस के जवान बुरी तरह घायल हो गए।जानकारी के अनुसार दोनों बहनें रामकृष्ण नगर कॉलोनी में ही किराए के मकान में रहने वाले नंदलाल गुप्ता की बेटी थी। नंदलाल गुप्ता उत्तर प्रदेश के देवरिया के रहने वाले हैं और बहादुरपुर फल मंडी में फलों का व्यापार करते हैं। उनकी दो बेटियां सलोनी (13 साल) और सोनाली (10 साल) की थीं। छत से फेंके जाने से बड़ी बेटी सलोनी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सोनाली गंभीर तौर पर घायल है।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी युवक के पास से एक चाकू बरामद किया है।

चीन बना रहा रॉकेट जैसा हाइपरसोनिक प्लेन

सिर्फ एक घंटे में तय होगा बीजिंग से न्यूयॉर्क का सफर!

पेइचिंग। चीन की एक कंपनी ने एक हाइपरसोनिक विमान बनाने की घोषणा की है जो पेइचिंग से न्यूयॉर्क तक सिर्फ एक घंटे में उड़ान भर सकेगा। कंपनी च्रॉकेट विद विंग्सज् विमान को आश्चर्यजनक 7000 मील प्रति घंटे (11265 किमी प्रति घंटा) की रफ्तार से उड़ान भरने के लिए डिजाइन कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इसका परीक्षण अगले साल शुरू होने वाला है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह 2024 तक हवा में उड़ने के लिए तैयार हो जाएगा।द सन ने स्पेस डॉट कॉम की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि इस फ्यूचरिस्टिक प्लेन को स्पेस ट्रांसपोर्टेशन फर्म विकसित कर रही है। माना जा रहा है कि यह दशक के अंत तक एक छोर से दूसरे छोर तक उड़ान भरना शुरू कर

देगा। कंपनी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें रॉकेट विंग्स से उड़ने वाले विमान के एनिमेशन को देखा जा सकता है। टेकऑफ के बाद विमान रॉकेट से संचालित विंग्स से अलग हो जाता है और अपने गंतव्य की ओर चला जाता है, जबकि विंग और बूस्टर फिर लॉन्च पैड पर वापस आ जाते हैं।

एक घंटे में बीजिंग से न्यूयॉर्क पहुंचने का दावा

अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद विमान सामने वाले तीन पैरों का इस्तेमाल करके लैंड करता है। कंपनी का दावा है कि यह सिर्फ एक घंटे में न्यूयॉर्क को चीन की राजधानी से जोड़ने में सक्षम होगा। फर्म ने चीनी मीडिया को बताया, च्हम हाई-स्पीड, पॉइंट-टू-पॉइंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए एक च्पंखों वाला रॉकेटज् विकसित कर रहे हैं। यह सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट की तुलना में सस्ता होगा और पारंपरिक विमानों की तुलना में तेज होगा।

अंबानी को पीछे छोड़ अडानी अब भारत के सबसे बड़े रईस

नई दिल्ली। दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में गुरुवार को बड़ा उलटफेर हुआ। अडानी गुप के चेयरमैन गौतम अडानी न केवल भारत के सबसे बड़े अरबपति बन गए बल्कि उन्होंने अंबानी और मार्क जुकरबर्ग को पछाड़ टॉप-10 में अपनी जगह बना ली, लेकिन आज यानी शुक्रवार को फोर्बस रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक मुकेश अंबानी फिर से अडानी को पछाड़ भारत के नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हो गए हैं। हालांकि, आज दिनभर अंबानी-अडानी के बीच नंबर वन की रेस देखने को मिलती रहेगी क्योंकि, दोनों के नेटवर्थ में बहुत कम का अंतर है। गुरुवार को मार्क जुकरबर्ग के नेट वर्थ में 29 अरब डॉलर की सेंध लग गई। मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक के स्टॉक ने एक

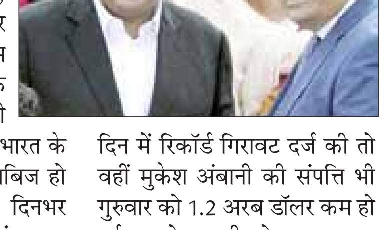

दिन में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की तो वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति भी गुरुवार को 1.2 अरब डॉलर कम हो गई। इससे अडानी को फायदा हुआ और वह 12वें स्थान से 10वें पर पहुंच गए।

संपादकीय

चीनी चुनौती के मुकाबले हेतु सार्थक पहल

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन जिस तरह निर्माण कार्यों के जरिये भारत के लिये नित नयी चुनौती पैदा कर रहा है, लगता है उसके मुकाबले के लिये केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। इसकी बानगी हाल ही में वर्ष 2022–23 के बजट भाषण में घोषित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में मिलती है, जिसमें भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लगते इलाकों में अवसंरचना को विस्तार देने को प्रतिबद्ध है। इस योजना में सरकार विरल आबादी व सीमित संपर्क वाले अविकसित गांवों में संरचनात्मक विकास को गति देगी। दरअसल, चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे निर्जन इलाकों में निर्माण कार्य करके क्षेत्र में अपना दखल लगातार बढ़ा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से पूर्वी लद्दाख में चल रहे गतिरोध के बीच चीन नई बस्तियां बनाने में जुटा है, जिसका लक्ष्य भारत के लिये सामरिक चुनौती पैदा करके भारतीय संप्रभुता को चुनौती देना भी है। चीन इन इलाकों में सड़कों का जाल बिछा रहा है और अन्य सुविधाओं को विस्तार देता रहा है। पिछले दिनों अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया था कि चीन ने पिछले साल अपने तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र और भारत के अरुणाचल प्रदेश के बीच विवादित क्षेत्र के भीतर एक सौ घरों वाले एक गांव का निर्माण कर दिया है, जिसको लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हुआ था। इतना ही नहीं, बीजिंग पैंगोंग त्सो झील पर एक पुल का निर्माण भी तेजी से कर रहा है, जिसका मकसद झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के बीच सैनिकों की तेज आवाजाही को सुगम बनाना है। वहीं चीन सीमा पर जारी गतिरोध को खत्म करने के मूड में नजर नहीं आता। बीते साल अक्तूबर और इस साल जनवरी में कमांडर स्तरीय तेरहवें और चौदहवें दौर की वार्ता के बावजूद गतिरोध का न टूटना चीन के खतरनाक मंसूबों को दर्शाता है। अरुणाचल प्रदेश के भौगोलिक स्थलों व शहरों के चीनी नामकरण उसके खतरनाक मंसूबों को ही बताता है। बहरहाल, बातचीत के सार्थक निष्कर्ष सामने न आने और चीन के अड़ियल रवैये के चलते भारत ने भी चीन को स्पष्ट संदेश दिया है कि देश अब चीन द्वारा दरपेश चुनौतियों के मुकाबले के लिये दीर्घकालिक नीतियों पर चलेगा। चीन की इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये बजट प्रावधानों में सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ का पूंजी बजट ढाई हजार करोड़ से बढ़ाकर 3500 करोड़ कर दिया गया। निस्संदेह बजट में धनराशि में वृद्धि से सीमा सड़क संगठन को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजनाओं के काम में तेजी लाने में मदद मिलेगी। भारतीय सैनिकों की तेजी से वास्तविक नियंत्रण रेखा तक पहुंच बनाने के लिये सड़कों का विस्तार किया जा रहा है। इसकी कड़ी में चीन की सीमा से लगे अरुणाचल के सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तवांग में सेला सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। निस्संदेह, दूरदराज के इलाके में बुनियादी ढांचे के विकास से स्थानीय निवासियों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। उनमें भी संदेश जायेगा कि देश उनकी सुरक्षा के प्रति चिंतित है। जब उनका विश्वास हासिल होगा तो वे सेना व खुफिया एजेंसियों के लिये आंख व कान का काम कर सकते हैं। हाल ही में अरुणाचल के एक किशोर के चीनी सैनिकों द्वारा अपहरण और उसका उत्पीड़न किये जाने से स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ी हैं, जिसे दूर करने की पहल जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, हालिया आम बजट में केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया की मुहिम के तहत रक्षा क्षेत्र को खासी तरजीह दी है। सरकार ने घोषणा की है कि सेना की जरूरत के रक्षा उपकरणों की 68 फीसदी खरीद घरेलू उद्योग से की जायेगी। इस कदम से रक्षा उपकरणों के आयात पर भारत की भारी निर्भरता कम होगी। हम दुर्लभ विदेशी मुद्रा की बचत कर सकेंगे। लेकिन वहीं दूसरी ओर, रक्षा उपकरणों के गुणवत्ता नियंत्रण की भी बड़ी चुनौती होगी। चीन द्वारा लगातार भारतीय क्षेत्रों के अतिक्रमण और आक्रामक रवैये को देखते हुए भारतीय सेना को आधुनिक व गुणवत्ता के हथियारों से सुसज्जित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। जब देश की सुरक्षा दांव पर हो तो तैयारी में देरी की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

कमाल के नडाल शोहरत से मालामाल

कहते हैं प्रतिभा व मेहनत के बावजूद शिखर की सफलता तब ही हासिल होती है जब देशकाल-परिस्थितियां भी अनुकूल हों। वहीं किसी की चूक दूसरे के लिये कामयाबी की राह भी बन जाती है। इसका जीवंत उदाहरण हाल ही में संपन्न आस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राफेल नडाल की जीत है। दुनिया के छह नंबर की वरीयता प्राप्त राफेल नडाल ने यह कामयाबी रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर हासिल की, जो विश्व वरीयता में नंबर दो का स्थान रखते थे। नडाल का कमाल यह भी कि वह शुरुआती दो सेटों में पिछड़ने के बाद न केवल खेल में वापस आये, बल्कि पांच घंटे चौबीस मिनट चले पांच सेटों के मुकाबले में आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब भी जीतने में कामयाब हुए। यह राफेल की किस्मत थी कि कोरोना वैक्सीन न लगवाने वाले सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लंबे विवाद और आस्ट्रेलिया में कोर्ट-कचहरी के बाद टूर्नामेंट से बैरंग लौटना पड़ा।

दरअसल, जोकोविच की व्यक्तिगत धारणा रही कि जरूरी नहीं है कि कोरोना वैक्सीन लगायी जाये। आस्ट्रेलिया की प्रांतीय सरकार के आयोजकों ने विशेष परिस्थितियों में जोकोविच को टूर्नामेट में खेलने की अनुमति दे दी। लेकिन फिर आस्ट्रेलिया की केंद्रीय सरकार इस मुद्दे पर मुखर हो गई। एक बार आस्ट्रेलिया की कोर्ट ने जोकोविच के पक्ष में फैसला दिया भी, लेकिन आस्ट्रेलिया की केंद्रीय सरकार इस मुद्दे पर अड़ गई। उसे लगा कि देश में जारी कोरोना महामारी के खिलाफ जारी सख्त मुहिम को लेकर गलत संदेश जायेगा। फिर जोकोविच को उलटे पैर सर्बिया लौटना पड़ा। दरअसल, जोकोविच आस्ट्रेलिया ओपन के प्रबल दावेदार थे और पिछले टूर्नामेंट समेत लगातार नौ बार उन्होंने यह खिताब जीता था।

वहीं दूसरी ओर नडाल का इस टूर्नामेंट में खेलना संदिग्ध था। वे चोट से गुजर रहे थे और वर्ष 2021 के दूसरे भाग में वे अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेल ही नहीं पाये। दरअसल, नडाल ने हाल ही में आशंका जतायी थी कि पैर की गंभीर चोट के कारण वे शायद दोबारा वापसी न कर सकें। लेकिन दृढ़ संकल्प के चलते ही उन्होंने कुछ ही महीनों में यह उपलब्धि हासिल कर ली। जब उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन की ट्रॉफी हाथ में ली तो इस बात को दोहराया 'मेरे लिये यह अद्भुत क्षण है। ईमानदारी से कहूं तो डेढ़ महीने पहले तक मुझे यह भरोसा नहीं था कि मैं वापस लौटूंगा या नहीं। टेनिस दोबारा खेल पाऊंगा या नहीं। आज इस ट्रॉफी के साथ खड़ा हूं तो आपके समर्थन का आभार।' सबसे महत्वपूर्ण यह है कि 21वां ग्रैंड स्लैम जीतकर वे दुनिया के ऐसे पहले खिलाड़ी बन गये हैं, जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, इस टूर्नामेंट से पहले तक टेनिस की त्रिमूर्ति कहे जाने वाले नडाल, रोजर फेडरर और जोकोविच के बीस-बीस ग्रैंड स्लैम थे। जोकोविच की किस्मत ने साथ नहीं दिया अन्यथा वे इस टूर्नामेंट को जीतने के साथ इस विश्व रिकॉर्ड को भी हासिल कर सकते थे। लेकिन अब हकीकत यह है कि नडाल इस रिकॉर्ड में नंबर वन हैं। दरअसल, दुनिया के पूर्व एक नंबर खिलाड़ी रहे राफेल नडाल ने जीवट का खेल दिखाते हुए शुरुआती दो सेटों को हारने के बाद यह अप्रत्याशित कामयाबी हासिल की। स्पेन के 35 वर्षीय नडाल ने खेल में अपना पूरा दमखम दिखाया। वह बात अलग है कि चैंपियनशिप जीतने के करीब पहुंचे नडाल की सर्विस मेदवेदेव ने तोड़ दी थी, लेकिन तब तक नडाल बढ़त ले चुके थे। नडाल के नाम इस टूर्नामेंट के बाद कई रिकॉर्ड दर्ज हो गये। नडाल इसके साथ ही चारों ग्रैंड स्लैम खिताब कम से कम दो बार जीतने वाले टेनिस के इतिहास के चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गये। नडाल ने आस्ट्रेलियन ओपन का पहला खिताब 2009 में जीता था, दूसरा खिताब जीतने के लिये उन्हें तेरह साल इंतजार करना पड़ा। नडाल ने 29 मेजर फाइनल में यह 21वीं जीत दर्ज की। नडाल की यह सफलता इसलिये भी खास है कि वे वर्ष 2021 के दूसरे हॉफ में सिर्फ दो मैच खेलकर आस्ट्रेलिया पहुंचे। पैर की पुरानी चोट के कारण वे ज्यादातर समय खेल नहीं पाये। चोट भी ऐसी जिसका उपचार तो संभव है लेकिन वह पूरी तरह ठीक नहीं होगी। इतना ही नहीं, वे पिछले दिनों कोविड-19 की चपेट में आये थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने खेल करिअर में चौथी बार दो सेटों में पिछड़ने के बाद बेस्ट ऑफ फाइव सेट में यह मुकाबला जीता। यह कामयाबी इतनी बड़ी थी कि महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को कहना पड़ा, 'यह बिल्कुल शानदार है। कम से कम इसे आश्चर्यजनक तो कह सकते हैं कि दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करना और अपना 21वां ग्रैंड स्लैम जीतना अविश्वसनीय है।' बहरहाल, यह तय हो गया कि नडाल ग्रैंड स्लैम के 145 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा पुरुष एकल खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गये। अपना बीसवां खिताब उन्होंने दो साल पहले नोवाक जोकोविच को हराकर फ्रेंच ओपन के रूप में जीता था। नडाल 29 ग्रैंडस्लैम के फाइनल खेल चुके हैं, जिसमें सबसे ज्यादा 13 फाइनल मुकाबले फ्रेंच ओपन के हैं और सभी जीते हैं। वे दो बार यूएस ओपन व चार बार विम्बलडन जीत चुके हैं। नडाल के नाम लगातार 852 हफ्ते तक टॉप-10 में बने रहने का रिकॉर्ड भी है। इस लंबी रेस के खिलाड़ी से ज्यादा बार कोई अन्य खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाया। तभी स्पेन के इस खिलाड़ी को टेनिस का बेताज बादशाह कहा जाता रहा है, लेकिन अब उनके सिर पर दुनिया के सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का ताज है।

–अरुण नैथानी

प्रगतिशील बजट में निचले तबके की अनदेखी

एक ऐसा बजट, जिसका सीधा मकसद उन्नति के लिए बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश को बढ़ाना हो, यह मंतव्य अगले साल का बजट बनाने में की गई वार्षिक सरकारी मशक्कत की सबसे बढ़िया परिभाषा है। इसमें पिछले बजटों की तुलना में गैर–जरूरी खर्चों की झलक कम है, इनमें सबसे उल्लेखनीय है महामारी की वजह से थमे आर्थिकी के पहिए को पुन: गति देने में पूंजीगत व्यय में 35.4 प्रतिशत का इफाजा करना। इस प्रक्रिया में हालांकि कई ऐसे क्षेत्र छूट गए, जिनको अधिक राजनीतिक संवेदनशीलता और विशेष सहायता की दरकार है।

एकमेव दृष्टिकोण रखकर किए गए नए बजटीय प्रस्तावों के पीछे पिछले कुछ महीनों से जोर–शोर से चल रही वह मांग है कि सरकार अर्थव्यवस्था और रोजगार के मौके पुनर्जीवित करने हेतु और ज्यादा आवंटन करे। वर्ष 2022–23 के लिए पूंजीगत व्यय को 5.54 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ किया गया है जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 2.9 प्रतिशत है। आगामी वर्ष के लिए वित्तीय घाटा 6.9 फीसदी से कम करते हुए 6.4 प्रतिशत रखने का लक्ष्य है। एक दीर्घ–कालीन महत्वाकांक्षी योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 60 लाख नौकरियां पैदा करने की बात कही गई है। पुन:, नौकरियों को लेकर दीर्घकालीन योजना पर ध्यान केंद्रित रखना, ऐसे वक्त पर हो रहा है जब रोजगार संकट को सुलझाने में सरकार की विफलता की आलोचना चहुं ओर पहले से हो रही है।

लेकिन निकट काल और उन क्षेत्रों के लिए, जिन्हें महामारी की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, उनके लिए बजट में बहुत कम है। जहां बुनियादी ढांचा विकास आवंटन राशि में की गई नाटकीय वृद्धि स्वागतयोग्य है वहीं बुरी तरह पस्त पड़े सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की तरफ यथेष्ट ध्यान नहीं दिया गया। होटल व्यवसाय की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए आपातकालीन उधार गारंटी योजना राशि में 50,000 करोड़ की वृद्धि जरूर एक सकारात्मक कदम है। लेकिन यह उस क्षेत्र के लिए नाकाफी है जो हाल ही में पुन: गति पकड़ने वाली औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं है।

इस बजट की एक अन्य कमजोरी यह है कि अर्थव्यवस्था में इतनी बड़ी मात्रा में निवेश करने से मुद्रा–स्फीति पर पड़ने वाले दबावों की ओर एकतरफा रवैया अपनाया गया है। दूसरी असफलता है बाहरी अवयवों के प्रभाव को ध्यान में न रखना, मसलन, बढ़ती तेल कीमतें और उनका प्रभाव खाता–घाटे पर पड़ना। उम्मीद यह थी कि समाज के सबसे निचले पायदान के नागरिकङ्क शहरी हों अथवा ग्रामीण– उन्हें किसी न किसी रूप में सीधी राहत मिलेगी, खासकर कुछ राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर। जबकि कोई इंकार नहीं कर सकता कि गरीबों में भी अत्यंत दरिद्र वर्ग को फौरी मदद की जरूरत है। मौजूदा सामाजिक भलाई योजनाएं, जैसे कि मुफ्त भोजन और प्रधानमंत्री किसान योजना श्लाघा योग्य हैं, किंतु वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को मालूम होना चाहिए था कि इस अनौपचारिक क्षेत्र के लिए और ज्यादा करने की जरूरत है।

रोचक यह कि ग्रामीण रोजगार योजनाओं के अंतर्गत राशि में वर्ष 2022–23 बजट में कमी की गई है। मनरेगा योजना में आवंटन 98000 करोड़ से घटाकर 73000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। शायद यह कयास लगाकर कि महामारी का प्रकोप घटने से प्रवासी मजदूर पुन: शहरों का रुख करेंगे, जिससे गांवों में रोजगार मांग पर दबाव कम होगा। लेकिन हाल–फिलहाल लग रहा है कि महामारी के दौरान ऐसी योजनाओं के तहत रोजगार की मांग के उछाल में कोई कमी नहीं हो रही है।

बजट के सकारात्मक पक्ष में, अर्थव्यवस्था के डिजीटलीकरण के लिए अधिक आवंटन होने से इसकी बढ़ोतरी के लिए जरूरी खाद मिलेगी। बड़ी खबर है डिजीटल रुपये का आगाज होना और साथ ही तमाम आभासीय डिजीटल सरमाया की खरीदो–फरोख्त के लिए एक तरह से क्रिप्टो–करेंसी को मान्यता देते हुए इसके जरिए तमाम लेन–देन पर टैक्स लगाना। चूंकि क्रिप्टो करंसी व्यापार की प्रकृति ज्यादातर अनुमान आधारित है, इसलिए 30 फीसदी कर लगाना सही निर्णय है। इसके अलावा आय स्रोत पर 1 फीसदी कर लागू करना यह बताता है कि इस किस्म का लेन–देन अब औपचारिक वित्तीय क्षेत्र का अंग है, जो कि मौजूदा समय की मांग भी है। क्रिप्टो करंसी पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है क्योंकि कोई नहीं नकार सकता कि अब यह वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का अंग बन चुकी है।अन्य कुछ नए कदम वास्तविक धरातल पर मददगार होंगे, इनमें भुगतान प्लेटफार्म को बढ़ावा देने को डिजीटल बैंकिंग शुरुआत एक है। देखने में आया है कि डिजीटलीकरण में बढ़ोतरी होना बैंकों के आम कामकाज के भौतिक तौर–तरीकों की समझ न होने से समाज के जिस तबके को दिक्कत होती थी, उनके लिए फायदेमंद है। जहां तक सार्वजनिक क्षेत्र के विनिवेश की बात है, अब लग रहा है कि इसको कुछ धीमा किया गया है, जबकि पिछले बजटों में संसाधन जुटाने को इस उपाय को मुख्य तरजीह दी गई थी। अगले वित्तवर्ष के लिए विनिवेश लक्ष्य 2021–22 के 1.75 लाख करोड़ की बनिस्बत 65000 करोड़ रखा गया है। यह इसलिए भी क्योंकि पिछले विनिवेश लक्ष्यों की प्राप्ति आशातीत न होने से इस मर्तबा अपेक्षा में कमी की गई है। हालांकि पिछले बजट में दो बैंकों समेत सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण करने की पूरी योजना का खाका विस्तार से बताया गया था पर एयर इंडिया बिकना पहला बड़ा परिणाम रहा। यह साफ है कि विनिवेश की चाल बहुत मंथर रही है। पिछले बजट में पूंजी जुटाने की रूप रेखाएं काफी तफ्सील से बताई गई थीं, इस बार वैसा कोई जिक्र नहीं है। जमीनी हकीकत यह है कि विनिवेश आशा के अनुरूप परिणाम देने में विफल रहा।वेतनभोगी मध्यम वर्ग का नए बजट से मायूस होना स्वाभाविक है क्योंकि हमेशा की तरह आयकर पर छूट मिलने के कयास इस बार भी थे। किंतु राहत के रूप में मिला तो केवल प्रक्रिया में सुधार, जिसके अंतर्गत कर–आकलन करने में त्रुटि की भूल–सुधार अगले दो वित्तीय सालों के अंदर करने की इजाजत दी गई है जबकि परेशानी झेल रहा मध्यम वर्ग भी कुछ राहतों का पात्र है। आगामी चुनाव–पूर्व जनता के अनेक वर्ग मुफ्त की सौगातों की आस लगाए बैठे थे, उन्हें निराशा हुई। इसकी बजाय मोदी सरकार ने वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से सही बजट पेश किया है, जिसकी नजर मुख्यत: सार्वजनिक निवेश में बढ़ोतरी करके महामारी की मार से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को खड़ा कर पुन: पटरी पर लाने पर टिकी है। कई अर्थशास्त्रियों ने इस बजट को प्रगतिशील और दूरगामी बताया है जो बुनियादी ढांचे का विकास सुनिश्चित करना चाहता है और परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में सुधार होने से आज बेहतर जरूरी रोजगार मौकों में बढ़ोतरी होगा। यह बजट आर्थिक पुनरुत्थान हेतु केवल मध्य और दीर्घकालीन उपायों पर ध्यान दे रहा है जबकि अनेकानेक क्षेत्रों की फौरी जरूरतों को नजरअंदाज़ कर रहा है। बेशक यह औपचारिक क्षेत्र के लिए भी सकारात्मक है, तभी तो घोषणा के फौरन बाद स्टॉक मार्केट में उछाल आया है। परंतु बजट की गुणा–भाग में अनौपचारिक क्षेत्र और समाज के निचले तबके के हितों को इस बार किनारे कर दिया गया है।

सुषमा रामचंद्रन

आपका राशिफल 05 फरवरी

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): सभा–गोष्ठियों में मान–सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख–आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग–दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख–आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन–भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन–भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद–प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान–विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग–दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः–शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन–भर रहेगा। यश–प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म–कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

फिल्म वर्ग पहेली- 5727

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने वही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कुमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज बाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5726

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेहत

गाजर एक गुण अनेक, आंखों से लेकर त्वचा तक मिलेगा फायदा

आप खुद को स्वस्थ रखना चाहते हैं, अपनी आंखों की रोशनी बनाए रखना चाहते हैं या फिर अपनी त्वचा की रंगत निखारने के साथ–साथ बालों को भी चमकदार बनाए रखना चाहते हैं तो गाजर का सेवन करें। खाने में स्वादिष्ट और कम कैलरी वाली गाजर में पौष्टिक तत्वों की बहुतायत होती है, जो आपकी सेहत को दुरुस्त रखने में मददगार साबित होते हैं। इसमें बीटा कैरोटिन, विटामिन ए, विटामिन सी, खनिज लवण, विटामिन बी 1 के साथ–साथ एंटी ऑक्सिडेंट की बहुतायत होती है। अगर आप गाजर को नियमित तौर पर अपने आहार का हिस्सा बनाते हैं तो आप खुद को बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाये रख सकते हैं। गाजर का इस्तेमाल आप कच्चा या फिर पकाकर किसी भी तरह से कर सकते हैं। गाजर का इस्तेमाल केवल भोजन में ही नहीं होता, बल्कि इसका इस्तेमाल बहुत सारी दवाओं के निर्माण में भी किया जाता है।

इसके हैं ढेर सारे फायदे

1. गाजर का किसी भी रूप में नियमित तौर पर सेवन करने से आपकी आंखों की रोशनी दुरुस्त रहती है। इसमें बीटा कैरोटिन की बहुतायत होती है, जो खाने के बाद पेट में जाकर विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है। आंखों के लिए विटामिन ए बेहद जरूरी है, यह हम सब जानते हैं। विटामिन ए रेटिना के अंदर परिवर्तित होता है। इसके बैंगनी से दिखने वाले पिगमेंट में इतनी शक्ति होती है कि गाजर खाने से रतौंधी जैसे रोग की आशंका कम हो जाती है। यह आंखों के रोग मोतियाबिंद की आशंका को कम करता है।

2. गाजर को अपने आहार का हिस्सा बनाने से फेफ?, ब्रेस्ट और कोलोन कैंसर का खतरा कम होता है। एक मात्र गाजर ही ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसमें फाल्केरिनोल नामक प्राकृतिक कीटनाशक पाया जाता है। विभिन्न सर्वेक्षणों में यह पाया गया है कि गाजर का सेवन करने से किसी भी कैंसर का खतरा एक तिहाई तक कम होता है।3. गाजर का सेवन करने से आप पर उम्र का असर देर से नजर आता है। यह एंटी एजिंग एजेंट की तरह कार्य करता है। इसमें भरपूर मात्रा में पाया जाने वाला बीटा कैरोटिन, एंटी ऑक्सिडेंट हमारे शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत करता है, इससे कोशिकाओं की उम्र देरी से घटती है और शरीर पर झुर्रियां नहीं प?तीं।4. गाजर में मौजूद औषधीय गुण किसी भी किस्म के संक्रमण की आशंका को कम करते हैं। आप चाहें इसका जूस पिएं या इसे उबालकर खाएं, यह फायदेमंद है।

5. यह त्वचा की सेहत को दुरुस्त रखने में भी मददगार साबित होता है। इसमें विटामिन सी और एंटी ऑक्सिडेंट की बहुतायत होती है, जिसकी वजह से इसका इस्तेमाल करने से त्वचा को सूर्य की तेज रोशनी से होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाया जा सकता है। विटामिन ए की कमी की वजह से त्वचा, नाखून और बाल रूखे होने लगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर गाजर को अपने आहार में शामिल करते हैं तो साफ सुथरी निखरी हुई त्वचा के मालिक बन सकते हैं। इसके इस्तेमाल से वक्त से पहले आने वाली झुर्रियों, रूखी त्वचा, एक्ने, पिगमेंटेशन, झाइयां, चितकबरी त्वचा आदि की समस्याओं को अपने से दूर रख सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 6231

✱✱✱ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6230 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

विचार प्रवाह

एक व्यक्ति ने सोचा कि समुद्र में स्नान कर लूं तो सभी तीर्थों के स्नान का फल मिल जाएगा क्योंकि समुद्र में गंगा जमुना सब हैं। समुद्र के किनारे गया और बैठ गया। सुबह से शाम होने को आयी लेकिन वह अब भी बैठा है। किसी यात्री ने पूछा नहाने आये हो तो नहाते क्यों नहीं? वह बोला- मैं सोचता हूं कि लहरें उठना बंद हो जायें तो फिर नहाऊं। यात्री बोला समुद्र कभी शांत नहीं होगा। समुद्र में नहाना है तो लहरों का त्रास तो सहना ही पड़ेगा। जीवन में कठिनाइयां तो बनी ही रहेंगी। धर्म ध्यान करने के लिए उस दिन का इंतजार मत करो, जब सब कुछ ठीक ठाक चल रहा होगा, क्योंकि ऐसा दिन कभी आने वाला नहीं है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7290

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9. रुपया,पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण,ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला,हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा,प्रार्थना-4
2. मार्ग,पथ-2
3. यमराज,मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा,वरदान-2
6. द्वेष,ईर्ष्या-4
8. तमीज,तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद,खाद्य सामग्री-3
18. भयानक,डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज,सत्य-2
26. ईश्वर,भगवान-2
27. रुदन,क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -7289 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कचरा बैग पर बना राजाभोज की तस्वीर वाला लोगो

नगर निगम ने दी सफाई -कहा यह B.M.C. का लोगो

भोपाल। राजधानी में नगर निगम शहर से कचरा एकत्रित करने के लिए जिन कचरा बैग का उपयोग कर रहा है, उसमें राजाभोज का फोटो वाला लोगो लगा हुआ है। गुरुवार को इसका फोटो इंटरनेट मीडिया में वायरल होने के बाद इस मामले में कांग्रेस ने आपत ?ति जताई है। कांग्रेस नेता विजेंद्र शुक्ला ने कहा कि यह राजाभोज का अपमान है। इस मामले की नगर निगम के अफसरों से शिकायत भी की गई है। वहीं, कांग्रेसियों ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने और लोगो को तत्काल हटाने की मांग की है। इधर, अधिकारियों का तर्क है कि नगर निगम ने यह लोगो तीन साल पहले बनवाया है। यह लोगो कचरा संग्रहण के हर बैग में बनाया गया है। निगम अफसरों का कहना है कि यह लोगो नगर निगम का है। स्वच्छ सर्वेक्षण की गाइडलाइन में बैग या डस्टबिन पर लोगो लगाना जरूरी किया गया है। इंदौर में भी कलेक्शन बोरी पर लोगो लगा है। अन्य निकायों में भी लोगो लगाए गए हैं।

कांग्रेसी बोले- यह राजाभोज का अपमान, तस्वीर को हटाया जाए

कचरे की पन्नी में राजा भोज के चित्र पर विरोध

उधर, मप्र राजपूत समाज संस्था द्वारा भोपाल शहर में नगर निगम द्वारा कचरा एकत्रित करने की थैलियों पर राजा भोज के चित्र छापने पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की गई है। संस्था के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट विनय भदौरिया ने बताया कि यदि शीघ्र नगर निगम द्वारा कचरा एकत्रित करने वाली थैलियों से राजा भोज का चित्र नहीं हटाया गया तो नगर निगम आयुक्त का घेराव किया जाएगा। यह राजा भोज का अपमान है। राजपूत समाज में इस चित्र को लेकर भारी आक्रोश है।

अब होशंगाबाद कहलाएगा नर्मदापुरम

केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश में तीन शहरों के नाम बदलने को दी मंजूरी

...तो शिवपुरी होगा कुंडेश्वर

भोपाल। केंद्र ने मध्य प्रदेश में तीन शहरों के नाम बदलकर नए नाम रखे जाने को अपनी मंजूरी दे दी है। इन शहरों के नाम बदलने की संसंस्तुति मप्र की शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा की गई थी। केंद्र की मंजूरी के बाद होशंगाबाद को अब नर्मदापुरम के नाम से पहचाना जाएगा। नर्मदा नदी के दक्षिणी तट पर स्थित होशंगाबाद का नाम मालवा के पहले शासक होशंग शाह के नाम पर रखा गया था। इसी तरह शिवपुरी को कुंडेश्वर धाम के नाम से जाना जाएगा।

बाबई में जन्मे थे माखनलाल चतुर्वेदी

- प्रसिद्ध पत्रकार और कवि माखनलाल चतुर्वेदी के नाम पर बाबई को माखन नगर के नाम से जाना जाएगा। माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म बाबई में ही हुआ था। बाबई होशंगाबाद जिले का हिस्सा है और यह भोपाल से लगभग 80 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार 2021 में शिवराज सिंह चौहान सरकार से प्रस्ताव मिले थे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय से अनापत्ति जरूरी

रेलवे स्टेशनों, गांवों, कस्बों और शहरों का नाम बदलने के लिए सरकारी दिशानिर्देशों के तहत, राज्य सरकार को केंद्रीय गृह मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना अनिवार्य है। एनओसी यह सुनिश्चित करती है कि जिले में रेलवे स्टेशन, हाई कोर्ट और विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों के नाम भी बदले जाएं।

लापरवाही

अधिकारियों ने बिना सीवेज लाइन बिछाए छोड़ दी कालोनियां

भोपाल। शहर के उपनगर कोलार में बीते दो सालों से 135 करोड़ की राशि से सीवेज नेटवर्क बिछाने का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणानुसार पूरे कोलार में सीवेज नेटवर्क बिछाया जाना है। इसके बाद भी नगर निगम प्रशासन संबंधित एजेंसी से पूरे कोलार में एक सिरे से सीवेज लाइन बिछाने में नाकाम साबित हो रही है। एजेंसी ने कई जगह सीवेज नेटवर्क बिछाने का काम छोड़ दिया है। इससे रहवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कोलार के ललिता नगर, फाइन एवेन्यू में सीवेज नेटवर्क बिछाने का काम अब तक नगर निगम प्रशासन ने शुरू ही नहीं कराया है। ऐसे में लोगों को घरों में खुदवाएं गए सेफ्टी टैंकों के भरोसे रहना पड़ रहा है। बार-बार सेफ्टी टैंकों को लोगों को खाली कराना पड़ता है। इससे लोगों को 500 से 1000 रुपये एक बार में सीवेज का सेफ्टी टैंक खाली कराने के खर्च करने पड़ते हैं। इतना नहीं सीवेज लाइन नहीं बिछने से गंदा पानी घरों के बाहर बहता रहता है। ललिता नगर के रहवासी अंकित चौरसिया और नितेश वर्मा ने बताया कि ललिता नगर फाइन एवेन्यू फेस-दो के पास से ललिता नगर नागेश्वर मंदिर तक सड़क के बीच में सीवेज नेटवर्क की लाइन नहीं बिछाई गई है। कई बार निगम प्रशासन के अधिकारियों से पहले सीवेज लाइन बिछाने और बाद में सड़क बनवाने की गुहार लगा चुके हैं। इसके बाद भी अब तक नगर निगम प्रशासन ने सीवेज लाइन बिछाना शुरू नहीं किया है, जबकि राजहर्ष, शकुंतला नगर, दानिशकुंज सहित कई स्थानों पर सीवेज नेटवर्क काम के तहत पाइपलाइन, चैंबर निर्माण हो चुके हैं। घर-घर कनेक्शन देने का काम भी चल रहा है। वहीं ललिता नगर को अधूरा छोड़ दिया गया है। इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि जल्द ही दूसरे चरण में बची हुई कालोनियों में सीवेज नेटवर्क बिछाने का काम कराया जाएगा।

बांस ग्रामीणों की जीविका का साधन बनेंगे

2749 हेक्टेयर वनभूमि में लगाए हैं बांस के पौधे

70 साल तक पौधे बनेंगे जीविका चलाने का साधन

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब ग्रामीणों की रोजी-रोटी का सहारा बिगड़े वन बनेंगे। ग्रामीण नजदीक की वनभूमि पर बांस लगाएंगे। पांच साल इन पौधों की देखरेख करेंगे और फिर 70 साल तक ये पौधे इन परिवारों की जीविका चलाने का साधन बनेंगे। मध्य प्रदेश बांस मिशन ने प्रयोग के तौर पर पहले साल 2749 हेक्टेयर वनभूमि में बांस के पौधे लगवाए हैं, जिन्हें इतने ही परिवार संभाल रहे हैं। इस योजना में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहयोग कर रहा है। मप्र बांस मिशन के प्रबंध संचालक यूके सुबुद्धि का कहना है कि इस बार पांच हजार हेक्टेयर में पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों में बिगड़े वन को चिह्नित किया गया है। फसल की तरह प्रदेश में बांस का उत्पादन बढ़ाना है। यह स्थायी आमदनी देने वाली योजना है।

इस बार पांच हजार हेक्टेयर में पौधे लगाने का लक्ष्य

एक हेक्टेयर में लगे 650 भिर्रे (बांस के पौधे) पांच साल में एक परिवार के लिए सवा लाख या उससे ज्यादा आमदनी का साधन बन जाएंगे और फिर आमदनी साल-दर-साल बढ़ती जाएगी। बांस उत्पादन बढ़ाना भारत सरकार और राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। योजना बिगड़े वनों के सुधार, स्थानीय स्तर पर रोजगार देने और प्रदेश की हरियाली बढ़ाने में भी सहायक होगी। इसके लिए वन विभाग, ग्राम वन समिति और बांस उत्पादन करने वाले स्व-सहायता समूह के बीच त्रि-पक्षीय अनुबंध होगा, जिसमें साफ कर दिया जाएगा कि वनभूमि पर समूह का कोई अधिकार नहीं होगा और वह सिर्फ बांस का उत्पादन ही कर सकेंगे। बांस लगाने के लिए समूहों को उनके गांव या नजदीक में ही वनभूमि दी जाएगी। पौधों को पानी देने, निंदाई-गुड़ाई सहित अन्य जरूरी काम के लिए उन्हें मनरेगा योजना से मजदूरी दी जाएगी।

5 साल करेंगे पौधों की देखरेख

यह पहली बार के उत्पादन तक (पांच साल) चलेगा। योजना के अनुसार पांच साल बाद हर साल उत्पादन पर पूरा अधिकार उस परिवार का होगा, जो शुरुआत से देखरेख कर रहा है। यह परिवार बांस काटेगा और बेचेगा। उससे जो राशि आएगी। उसमें से 20 प्रतिशत वन समिति के खाते में जाएगी। शेष राशि उस परिवार का शुद्ध मुनाफा होगी। एक परिवार को एक हेक्टेयर का जिम्मा योजना के तहत समूह से जुड़े एक परिवार को एक हेक्टेयर की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मिशन के अधिकारियों के अनुसार एक पौधे से पांच साल में कम से कम पांच से छह बांस निकलेंगे। एक बांस 50 रुपये का बिका तो भी एक पौधे के पांच बांस 250 रुपये में बिकेंगे। इस तरह 650 पौधे के बांस एक लाख 62 हजार पांच सौ रुपये के होते हैं। कुछ पौधे खराब भी होंगे तो पहली बार में सवा लाख की आमदनी तय है।

आरएनटीयू चैम्पियंस ट्राफी में डीजीपी इलेवन ने फाइनल में प्रवेश किया

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू) द्वारा आयोजित तृतीय आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्राफी 2022 के गवर्नमेंट ग्रुप के दूसरे सेमीफाइनल मैच में डीजीपी इलेवन ने नगर निगम भोपाल को 11 रनों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। आरएनटीयू मैदान पर खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर नगर निगम भोपाल ने क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। डीजीपी इलेवेन के बल्लेबाज प्रज्ञा बलरे के 54 गेंद पर 89 रन, विजय के 18 गेंद पर 20 रन और दिशांत खरे के 11 गेंद पर 13 रन की मदद से 19.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 162 रन बनाए। नगर निगम भोपाल के घातक गेंदबाज सैयद फहद हसन ने चार, जावेद, बिटटू व इशा पठान ने दो दो विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी नगर निगम के बल्लेबाज इशा पठान के 19 गेंद पर 27 रन, रवि नरवारे 18 गेंद पर 22 रन और सैयद फहद हसन के 20 गेंद पर 23 रन की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट पर 151 रन ही बना सकी। डीजीपी इलेवेन ने मुकाबला 11 रनों से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। डीजीपी इलेवेन के मुश्ताक अली व अरुण सिंह ने तीन तीन विकेट चटकाए। विपिन सुस्ते ने दो विकेट झटके। डीजीपी इलेवेन के बल्लेबाज प्रज्ञा बलरे को शानदार बल्लेबाजी के लिए विश्वविद्यालय के मुकेश सेन, उप कुलसचिव ऋत्विक चौबे और सहायक कुलसचिव सुखेंद्र सिंह गहरवार और स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार के हाथों मैन ऑफ द मैच दिया गया।

209 अवैध कालोनियां होंगी वैध

निगमायुक्त ने विकास शुल्क जमा कराने के लिए जारी की सूची

भोपाल। राजधानी में अवैध कालोनी को वैध करने के मामले में नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। गुरुवार को नगर निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी ने 209 अवैध कालोनियों की सूची जारी की है, जिन्हें वैध किया जाएगा। करीब 24 साल पहले विकसित हुईं इन कालोनियों के लोग अब तक लोन नहीं ले पाते थे। वहीं कुछ सुविधाएं भी नहीं मिल पाती थीं। अब नगर निगम इनसे विकास शुल्क लेकर इन कालोनियों को वैध करने का काम करेगा। इसके लिए सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश भी जारी किए गए हैं। वैध होने के बाद ही इन कालोनियों में बिल्डिंग परमिशन भी मिल सकेगी। इसके बाद कालोनियों में जहां विकास कार्य हो सकेंगे, वहीं लोग बैंक से लोन भी पा सकेंगे। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि अवैध कालोनियों को नियमित करने का संशोधित कानून लागू होने के बाद निर्मित मकानों के नक्शे स्वीकृत होंगे। साथ ही, लोग निर्माण के लिए बैंक से लोन भी ले सकेंगे। इन कालोनियों में कई प्लाट अभी भी खाली पड़े हैं, क्योंकि नक्शे स्वीकृत नहीं होने के कारण बैंक से लोन नहीं मिल पाया था। कालोनी में नगरीय निकाय के जरिए सड़क, बिजली, पानी की सुविधा मिलने लगेगी।

नियमितीकरण के बाद रहवासियों को मिल सकेंगी सुविधाएं बैंक लोन के लिए लोग पात्र हो जाएंगे

इन क्षेत्रों में बनी अवैध कालोनियां हो रही हैं वैध

राजधानी में कोलार, होशंगाबाद रोड, बैरागढ़, एयरपोर्ट रोड, रायसेन रोड, खजूरीकलां, भानपुर, सेमरा, छोला, करोंद, ऐशबाग, गुलमोहर, बाग सेवनिया, दामखेड़ा, नरेला शंकरी, नयापुरा, बैरसिया रोड, गैस राहत कालोनी, विदिशा रोड आदि इलाकों में अवैध कालोनियां बनी हैं। इनको वैध करने के पहले यहां के रहवासियों को जोनल आफिस में विकास शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद लोगों को एनओसी जारी की जाएगी। जो मकान पहले से बन चुके हैं, उनकी कपाउंडिंग होगी और विकास शुल्क वसूला जाएगा।

चार इमली इलाके का बरकरार रहेगा हरा-भरा स्वरूप

नहीं होगा पुनर्घनत्वीकरण

भोपाल। राजधानी के सबसे पाश इलाके चार इमली का पुनर्घनत्वीकरण (नए सिरे से विकास) अब नहीं होगा। राज्य सरकार की साधिकार समिति ने इस पर रोक लगा दी है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह की मौजूदगी में समिति की गत दिवस हुई बैठक में इस पर निर्णय लिया गया है। इसके पीछे कारण क्षेत्र में बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ होना है। इन पेड़ों को काटकर हाइराइज बिल्डिंग बनाने से पर्यावरण को काफी नुकसान होगा, इसलिए यहां निर्माण कार्य के लिए फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) बढ़ाने की अनुमति नहीं देने की बात कही गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि चार इमली के पुनर्घनत्वीकरण की योजना दिग्विजय सरकार ने 2002 में तैयार करवाई थी। इसके बाद मामल ठंडे बस्ते में रहा। वर्ष 2018 में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार ने इसे अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी। बाद में शिवराज सरकार ने भी इस दिशा में काम आगे बढ़ाया था, पर मुख्य सचिव ने साधिकार समिति की बैठक में इस पर रोक लगा दी।

बंगले तोड़कर अफसरों के लिए बनने थे 218 फ्लैट

हाउसिंग बोर्ड ने चार इमली के एक हिस्से का पुनर्घनत्वीकरण प्रस्ताव तैयार कर साधिकार समिति को भेजा था, जिसमें चार इमली में रहने वाले सरकारी अफसरों को मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाकर शिफ्ट करना प्रस्तावित था। प्रस्ताव के मुताबिक पहले फेज में कोलार तिराहा और लिंक रोड नंबर तीन यानी एकांत पार्क के सामने वाला नौ हेक्टेयर (22.23 एकड़) हिस्सा विकसित किया जाना था। इस जमीन से मौजूदा 178 बंगलों को तोड़कर छह हेक्टेयर यानी (14.82 एकड़) में सरकारी अफसरों के लिए 20 टावर में 218 फ्लैट बनाए जाने थे। जबकि तीन हेक्टेयर (7.41 एकड़) में विकसित प्लाट, डुप्लेक्स-बंगले बनाकर बेचने की अनुमति चाही गई थी। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में जमीन का व्यावसायिक उपयोग नहीं किया जाना था।

चलती कार पर पथराव

भोपाल । राजधानी में परिवार के साथ घर लौट रहे एक युवक की कार को कुछ लड़कों ने रोकने की कोशिश की। अनहोनी की आशंका के चलते युवक ने कार की रफ्तार बढ़ा दी तो लड़कों ने कार पर पथराव कर दिया। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार के भीतर बैठे लोग भी दहशत में आ गए। घटना ईदगाह हिल्स क्षेत्र में कैंसर अस्पताल के पास हुई। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। उसके साथियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। शाहजहांनाबाद थाना पुलिस के मुताबिक एयरपोर्ट रोड स्थित स्प्रिंग कालोनी में रहने वाले मो. अजीम एजाज (34 वर्ष) निजी काम करते हैं। मंगलवार रात को वह अपने एक रिश्तेदार से मिलकर वापस घर लौट रहे थे।। जैसे ही वह वाजपेयी नगर स्थित मल्टी के सामने पहुंचे, तभी सड़क पर खड़े कुछ लड़कों ने उनकी कार को रोकने का प्रयास किया। खतरे की आशंका भांपकर अजीम ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। इस दौरान उन लोगों ने कार पर पथराव कर दिया। इससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। उस समय वह घर चले गए थे। बुधवार शाम को उन्होंने थाने पहुंचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई।

नरसिंहपुर में छह करोड़ खर्च, नदी सूखी, बहाव क्षेत्र में हो रही खेती

नरसिंहपुर। नर्मदा की उप सहायक बारूरेवा नदी का पुनर्जीवन करने के नाम पर छह करोड़ खर्च तो कर दिए गए लेकिन इसमें बूंदभर पानी भी संग्रहित नहीं हो सका है। वर्तमान हालात ये हैं कि कई जगह नदी के दायरे में अतिक्रमण कर यहां फसलें उगाई जा रहीं हैं। इससे करीब 22 करोड़ रुपये की नदी पुनर्जीवन योजना पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है।दस्तावेजों के अनुसार पिछले तीन साल में बारूरेवा नदी का जलस्तर, कैचमेंट एरिया को बढ़ाने के नाम पर नरसिंहपुर व करेली की चयनित 54 पंचायतों में 90 प्रतिशत से अधिक काम खेतों में मेढ़बंधान के किए गए हैं। जिला मुख्यालय की समीपी दो-तीन पंचायतों में ही माइक्रो वाटरशेड, तालाब निर्माण के काम दिख रहे हैं, जबकि शेष पंचायतों में अधिकांश काम कागजी ही हैं। नदी तटों के आसपास पौधारोपण, रिचार्ज वेल, गेटयुक्त स्टापडैम, सोकपिट जैसे काम तो शुरू भी नहीं हुए हैं।

नदी को पुनर्जीवित करने के लिए प्रशासन ने 6 करोड़ रुपये कर दिए लेकिन नदी में पानी नहीं आ पाया, लोग खेती कर रहे हैं

कठौतिया के पास अस्तित्व ही खत्म

छिंदवाड़ा जिले के डूंगा गांव से निकलने वाली बारूरेवा नदी नरसिंहपुर जिले में करीब 25 किमी का सफर तय करती है। ये नदी करेली विकासखंड के देवाकछार में नर्मदा की सहायक शेढ़ नदी में मिलती है। वर्तमान में करीब 44 हजार 692 हेक्टेयर कैचमेंट दायरे में नदी 90 प्रतिशत से अधिक जगह जलविहीन है। वहीं जिला मुख्यालय के समीपी कठौतिया गांव में तो इस नदी का अस्तित्व ही लगभग खत्म हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग से रेल पुल के बीच करीब 200 मीटर के नदी तट और उसके कैचमेंट एरिया में गन्ने की फसल लहलहाती नजर आती है।

योजना स्वीकृति व बजट पर नजर

18 नवंबर 2019 को जिला पंचायत ने बारूरेवा नदी पुनर्जीवन योजना प्रस्तावित की थी इसमें 20 हजार 389 कार्य चयनित किए गए थे। इसमें 63 माइक्रो वाटरशेड भी बनाए जाने थे। हालांकि पहले चरण में 1959 कार्यों को स्वीकृति दी गई, जिसके लिए करीब 22 करोड़ 78 लाख बजट रखा गया। ये सभी काम नरसिंहपुर की 25 व करेली विकासखंड की 29 ग्राम पंचायतों में मनरेगा व अन्य योजनाओं से किए जाने थे। इसका एक लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वहीं कागजों पर करीब तीन साल में योजना के तहत 1079 कार्यों पर 6 करोड़ 17 लाख रुपये खर्च होना बता दिया गया।

गड़बड़ी से इंकार नहीं, नई डीपीआर बनाने की तैयारी- बारूरेवा नदी पुनर्जीवन के लिए खेतों में मेढ़ बंधान के नाम पर खर्च की गई राशि भी मौजूदा प्रशासन के गले नहीं उतर रही है। उनका गड़बड़ी की आशंका से इंकार भी नहीं है, वे व्यय का भौतिक सत्यापन कराने की बात भी कह रहे हैं। वहीं नदी पुनर्जीवन योजना को मूर्त रूप देने के लिए प्रशासन नए सिरे से डीपीआर बनाने की तैयारी में है। अधिकारी के अनुसार अब नदी के कैचमेंट एरिया को बढ़ाने संबंधी संरचना पर फोकस किया जाएगा।

नदी पुनर्जीवन की जो डीपीआर बनी है, उसमें बहुत सी कमियां हैं। अभी तक जो भी काम हुए हैं, उनकी जांच कराई जा रही है। हम बारूरेवा नदी के पुनर्जीवन के लिए नए सिरे से डीपीआर बनवा रहे हैं। इसमें कैचमेंट एरिया को बढ़ाने, संरचनात्मक निर्माण पर विशेष फोकस रहेगा। - सौरभ संजय सोनवणे, सीईओ, जिला पंचायत नरसिंहपुर

उमरिया, उमरिया के ज्वालामुखी क्षेत्र में नदी पार करके मुक्तिधाम तक अर्थी ले जाई जाती हैं। अर्थी ले जाते समय लोगों को काफी संभालना पड़ता है, क्योंकि नदी में कमर से ऊपर तक पानी है। पानी के कारण खतरा बना रहता है, लेकिन अंतिम संस्कार के लिए अर्थी को मुक्तिधाम तक ले जाने की मजबूरी की वजह से इस खतरे को लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

नदी पार कर पहुंचते हैं मुक्तिधाम

हो चुकी है मांग- ऐसा नहीं है कि इस नदी पर पुल बनाने की मांग लोगों ने नहीं की और प्रशासन ने आश्वासन नहीं दिया। लेकिन मांग और आश्वासन के बावजूद आज तक इस नदी पर श्मशान घाट के पास पुल का निर्माण नहीं किया गया। यही कारण है कि लोगों को मजबूरी में नदी पार करके अर्थियां मुक्तिधाम तक ले जानी पड़ती है।

सालों से हो रहा है अंतिम संस्कार- उमरिया के ज्वालामुखी क्षेत्र में उमरार नदी के दूसरी तरफ 100 साल से ज्यादा समय से अंतिम संस्कार होता आ रहा है। यहां की यह पुराना मुक्तिधाम है। पुराने जमाने से यहां रह रहे लोगों का इससे मुक्तिधाम के प्रति इसलिए श्रद्धा बनी हुई है क्योंकि उनके बुजुर्गों का अंतिम संस्कार भी इसी मुक्तिधाम पर हुआ। यही कारण है कि लोग नदी पार करके इस मुक्तिधाम तक अर्थियां ले जाते हैं।

चलना पड़ता है संभल के- ज्वालामुखी क्षेत्र के उमरार नदी के घाट को जवारा घाट भी कहा जाता है। क्योंकि यही नवरात्रि के जवारा विसर्जन होते हैं। पास में ही ज्वालामुखी माता का मंदिर है जहां नवरात्रि में बोय जाने वाले जवारा इसी घाट में विसर्जित किए जाते हैं। इस नदी को पार करने के बाद आगे श्मशान भूमि है जहां तक जाने के लिए लोगों को नदी में उतरना पड़ता है और काफी संभल संभल कर चल कर नदी पार करनी पड़ती है। कांधे पर अर्थी हो तो नदी के अंदर चलना कितना मुश्किल होता होगा इसका अनुमान इस क्षेत्र के लोगों ही लगा सकते हैं।

चलना पड़ता है संभल के- ज्वालामुखी क्षेत्र के उमरार नदी के घाट को जवारा घाट भी कहा जाता है। क्योंकि यही नवरात्रि के जवारा विसर्जन होते हैं। पास में ही ज्वालामुखी माता का मंदिर है जहां नवरात्रि में बोय जाने

वाले जवारा इसी घाट में विसर्जित किए जाते हैं। इस नदी को पार करने के बाद आगे श्मशान भूमि है जहां तक जाने के लिए लोगों को नदी में उतरना पड़ता है और काफी संभल संभल कर चल कर नदी पार करनी पड़ती है। कांधे पर अर्थी हो तो नदी के अंदर चलना कितना मुश्किल होता होगा इसका अनुमान इस क्षेत्र के लोगों ही लगा सकते हैं।

वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में पमरे महाप्रबंधक पत्रकारों से हुए रूबरू

बजट में पश्चिम मध्य रेल की परियोजनाओं के लिए किये गए वित्त प्रावधान

जबलपुर यश भारत। रेल मंत्रालय द्वारा सभी जोनल रेलवे को आवंटित खर्च एवं प्राप्तियों का विवरण प्रदान कर दिया गया है। इसी तारतम्य में पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता द्वारा पमरे मुख्यालय से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से रूबरू हुए। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यालय के अपर महाप्रबंधक शोभन चौधुरी एवं विभागों के प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। इस वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल जयपुरियार के द्वारा पश्चिम मध्य रेल के बजट 2022-23 के मुख्य बिंदुओं (पमरे पिंक बुक की हाईलाइट्स) को पीपीटी के माध्यम से प्रकाश डाला। पश्चिम मध्य रेल के बजट 2022-23 के मुख्य बिन्दु (पमरे पिंक बुक की हाईलाइट्स) इस प्रकार है। जिसमें बजट 2022-23 के अंतर्गत पमरे की विभिन्न परियोजनाओं एवं अन्य खर्चे हेतु बजट का आवंटन निम्न प्रकार से किया गया है :- * पमरे को बजट 2022-23 में नेट प्लान आउटले कुल रुपये 4,228 करोड़ का है। जबकि पिछले वर्ष 2021-22 में नेट प्लान आउटले कुल रुपये 2603 करोड़ था। इस प्रकार रुपये 1600 करोड़ से अधिक बजट प्राप्त हुआ है। * नई लाइनों का निर्माण - रुपये 1200 करोड़। * दोहरीकरण/तिहरीकरण - रुपये 426 करोड़। * ट्रैफिक फेसीलिटिस-यार्ड रिमॉडलिंग - रुपये 107.66 करोड़। * रोड सेफ्टी वर्क (लेवल क्रोसिंग) - रुपये 34.32 करोड़। * रोड सेफ्टी वर्क (आरयूबी/आरओबी) - रुपये 476.29 करोड़। * ट्रैक रिन्यूवल - रुपये 539.98 करोड़। * ब्रिजों वर्क/टनल वर्क - रुपये 45 करोड़। * सिगनल एंड टेलीकम्युनिकेशन - रुपये 151.99 करोड़। * इलेक्ट्रिकल वर्क टीआरडी - रुपये 27.45 करोड़ * वर्कशॉप - रुपये 72.50 करोड़। * स्टॉफ वेल्फेयर - रुपये 28.68 करोड़। प्रमुख परियोजनाओं एवं नई लाइनों के निर्माण के अंतर्गत * रामगंजमंडी - भोपाल नई लाइन (276 किमी) के लिए - रुपये 500 करोड़। * कोटा-बीना दोहरीकरण (288 किमी) के लिए - रुपये 390 करोड़ * ललितपुर-सतना, रीवा-सिंगरौली व महोबा-खजुराहो (541किमी) नई लाइन के लिए - रुपये 700 करोड़। * बीना-कटनी (279 किमी) तीसरी लाइन - रुपये 410 करोड़। * सतना-रीवा (50 किमी) - रुपये 101करोड़।* कटनी-सिंगरौली (257 किमी) दोहरीकरण के लिए - रुपये 400 करोड़। * कटनी ग्रेड सेपरेटर वायडक्ट (35 किमी) - रुपये 300 करोड़ * बुदनी-बरखेड़ा तीसरी लाइन- रुपये 300 करोड़। अन्य प्रमुख परियोजनायें * मदनमहल स्टेशन कोचिंग टर्मिनल के लिए - रुपये 26 करोड़। * न्यू कटनी जंक्शन में सेंट्रलाइज्ड व्हील सेट मेंटेनेंस फेसीलिटी - रुपये 14 करोड़। * नई दिल्ली-मुबई जीक्यू रूट पर 160 केएमपीएच गति के लिए - रुपये 450 करोड़। पमरे में नये वर्क भी स्वीकृत हुए हैं जिनका स्वीकृत लागत इस प्रकार है * पश्चिम मध्य रेल पर नए आरओबी/आरयूबी - रुपये 200 करोड़ का कार्य स्वीकृत। * पश्चिम मध्य रेल पर ट्रैक रिन्यूवल के कार्य - रुपये 600 करोड़ से अधिक का कार्य स्वीकृत। * पश्चिम मध्य रेल के ब्रिजों, टनलों, स्लोप प्रोटेक्शन एंड इंस्ट्रूमेंटेशन/मोनिटरिंग के कार्य - रुपये 100 करोड़ का कार्य स्वीकृत। * उत्तर रेलवे के पिंक बुक से स्टेशन डेवलपमेन्टके लिए रुपये 5500 करोड़ का कार्य स्वीकृत किया गया है जिससे पश्चिम मध्य रेल को राशि आवंटित किया जाएगा जो कि कोट एवं डकनिया तलाव स्टेशनों के डेवलपमेंट में उपयोग किया जाएगा।

एआरसी फाइनेंस लिमिटेड ने बनाई बड़े विस्तार की योजना

एजेंसी। एआरसी फाइनेंस लिमिटेड, एक एनबीएफसी, गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी, जो मुख्य रूप से ऋणों को आगे बढ़ाने और प्रतिभूतियों में निवेश / व्यापार में लगी हुई है, ने बीएसई को सूचित किया है कि उसका बोर्ड 11 फरवरी 2022 को प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक करेगा। प्रत्येक 10 रुपये के इक्विटी शेयरों का उप-विभाजन 1 रुपये प्रत्येक के लिए।यह कंपनी पिछले पांच वर्षों से बिक्री, लाभप्रदता के मामले में सार्थक उत्तम प्रदर्शन देने में सक्षम है। कंपनी के वित्तीय मानदंड इसके प्रदर्शन के संकेतक हैं और कंपनी वित्त उद्योग में अन्य प्रतिद्वंदियों के बीच आगे बढ़ने और खड़े होने में सक्षम है। लीवरेज अनुपात केवल 0.56 गुना है, जो उद्योग मानकों की तुलना में बहुत कम है। कंपनी की योजना अपनी ऋण पुस्तिका का आकार बढ़ाने की है।फाइनेंस कंपनी 25 लाख रुपये तक के होम लोन के टिकट साइज के साथ किफायती हाउसिंग सेगमेंट के लिए रिटेल होम लोन प्रोडक्ट सेगमेंट सहित विभिन्न सेगमेंट में लोन प्रदान करती है। साथ ही कंपनी हाउसिंग सेक्टर में माइक्रो फाइनेंस लोन भी उपलब्ध करवा रही है।यह कंपनी ग्राहकों को घर खरीदने, गृह सुधार, गृह विस्तार आदि के लिए ऋण प्रदान करती है। कंपनी महाराष्ट्र और गुजरात, पूर्वी भारत, आदि के शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शाखाओं से संचालित होती है वो भी स्वयं के कार्यालयों, प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ। ऋष्ट के पास द्धहृक्रकी एक मजबूत ऋण पुस्तिका है .... जिसे वह शीघ्र ही बढ़ाने की योजना बना रहा है।हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी) व्यक्तिगत ऋण (पीएल) खंड में मात्रा के लिहाज से लगातार बढ़ रही हैं, पिछले दो वर्षों में उनकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है, जिससे कम्फर्ट जैसी कंपनियों को काफी फायदा होगा। साथ ही यह उनके ऋणकर्ता आधार का तेजी से विस्तार करने में मदद करता है।

और अन्य वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के लिए क्रॉस-सेल अवसर प्रदान करता है।

बजट में बुनियादी ढांचे से संबंधित क्षेत्र पर जोर देने के साथ, ऋष्ट को लाभ होगा क्योंकि इसके ऋण और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के वित्तपोषण में काफी सुधार हो सकता है।

ग्राम पंचायत बेला का मामला

दबंगों ने शासकीय गौशाला की बाउंड्रीवाल तोड़कर कर लिया कब्जा

सिहोरा- एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गौवंश को सुरक्षित रखने के लिए गौशालाओं का निर्माण करा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ शासकीय गौशाला बनने के बाद दबंग गौशाला की चारागाह को नष्ट कर उस पर कब्जा करने पर उतारू हैं। इतना ही नहीं दबंगों ने चारागाह की बाउंड्री वाल नष्ट करने के बाद उस पर कब्जा भी कर लिया है और दमदारी के साथ खेती कर रहे हैं। संबंधित गौशाला का संचालन करने वाली स्व सहायता समूह की महिलाएं इसको लेकर बेहद परेशान है। पूरा मामला सिहोरा तहसील की ग्राम पंचायत बेला का है। दबंगों की दबंगई से परेशान होकर महिलाओं ने शुक्रवार को एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार राहुल मेश्राम को ज्ञापन सौंपकर दबंगों का कब्जा हटाने की गुहार लगाई है।

ये है पूरा मामला

ग्राम पंचायत बेला के प्रधान सुभाष पटेल के साथ पहुंची श्वेता स्व सहायता समूह आजीविका मिशन की किरण पटेल,सुधा बाई, फूलवती बंदवती ने बताया कि शासकीय खसरा नंबर 57/1 पर ग्राम पंचायत द्वारा चारागाह का चारा बोया गया था। 17 जुलाई

2021 को जिसकी तार बाउंड्री तोड़कर सोनेलाल,प्रकाश और नीरज ने बोए गए चारे को नष्ट कर दिया। जिसका प्रकरण तहसीलदार न्यायालय में चल रहा है। दबंगों ने चारागाह में लगे चारे को नष्ट करने के बाद उस पर कब्जा कर खेती करने लगे हैं, जबकि उक्त भूमि पर स्थगन आदेश है। इन्हें रोकने पर दबंगों ने उनके समूह के ऊपर 107, 16 का मुकदमा दर्ज करा दिया।

कब्जा हटाकर की जाए उचित कार्यवाही

समूह की महिलाओं ने बताया कि हम लोग पिछले एक वर्ष से गौशाला का संचालन कर रहे हैं इसको लेकर हमारा ग्राम पंचायत से अनुबंध है। चारा बोकर हमने गायों को एक वर्ष तक खिलाया है। दबंगों के कब्जा करने से गायों को चारा नहीं मिल पा रहा है। उपरोक्त दबंगों से कब्जा हटवा ते हुए उन पर उचित कार्यवाही की जाए।

महिलाओं ने दी आमरण अनशन की चेतावनी

समूह की महिलाओं ने नायब तहसीलदार राहुल मेश्राम को बताया कि अगर चारागाह की जमीन पर हुए कब्जे को तत्काल नहीं हटाया गया तो वे गौशाला का संचालन नहीं कर पाएंगे। संबंधित ग्राम पंचायत ने इस मामले को लेकर जो भी कार्रवाई की थी उसकी छाया प्रति भी महिलाओं ने नायब तहसीलदार को सौंपी। महिलाओं ने कहा कि पूरे मामले का निराकरण न होने पर जिला श्वेता आजीविका मिशन संगठन की महिलाएं आमरण अनशन के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

---

7 फरवरी से कटनी -बरगवां मेमू ट्रेन पुन: चालू होगी

जबलपुर यश भारत । जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत कटनी से सिंगरौली रेलखंड पर चलने वाली मेमू ट्रेन को 7 फरवरी से पुनः चलाया जाएगा।इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवेश कुमार सोनी ने बताया कि कटनी से बरगवां के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन नंबर 06623 तथा 06624 जो कि इस खंड पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गत 2 जनवरी से 10 फरवरी तक के लिए निरस्त कर दी गई थी इस ट्रेन को अब कार्य पूर्ण होने पर पुनः 7 फरवरी से चलाया जाएगा।यह मेमू ट्रेन अपने पूर्व के निर्धारित समय पर ही चला करेगी। इसी तरह श्री सोनी ने बताया कि जबलपुर नरसिंहपुर रेलखंड पर रेलवे गेट क्रमांक 294 की अप एवं डाउन लाइन पर ट्रैक अनुरक्षण का कार्य 4 फरवरी को सुबह 8:00 से 7 फरवरी को शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा जिसके कारण रोड ट्रेफिक इस गेट के लिए पूर्णता प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान रोड ट्रैफिक को नजदीक के जिला फाटक क्रमांक 292 293 तथा बगासपुर मार्ग से निकलने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। रेल प्रशासन ने वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि वह उक्त प्रतिबंधित अवधि के दौरान अपने वाहन वैकल्पिक समपार फाटक से ही चलाए।

आज शाम 5 बजे तक बंद रहेगा गेट क्रमांक 294

भाजपा का बूथ विस्तार कार्यक्रम अंतिम चरण में

सिहोरा- भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के साथ पूरे प्रदेश में चलाये जा रहे बूथ विस्तार कार्यक्रम का कार्य सिहोरा नगर मंडल में सक्रियता से कार्य किया जा रहा है इसी कडी में नगर के शक्ति केंद्र क्रमांक 4 एवं 5 की संयुक्त बैठक का आयोजन नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक परौहा,नगर मंडल प्रभारी,विस्तारक विनय असाटी के मार्गदर्शन में बूथ क्रमांक 183 के बूथ समिति सदस्य आयुष सेठी के निवास पर बूथ अध्यक्ष मयंक जैन के संयोजन में आयोजित की गई ।जिसमें बूथ विस्तार कार्यक्रम के साथ बूथ पंजी के सत्यापन पर चर्चा हुई। बैठक में नगर केंद्र क्रमांक 4 के विस्तारक विशेष सिंह ठाकुर,नगर केंद्र क्रमांक 5 के विस्तारक राजकुमार विश्वकर्मा,विनोद सेठी, शिवम सरावगी,शशांक विश्वकर्मा संदेश विश्वकर्मा अंकुश नायक आदि उपस्थित थे।

यह बजट पूरी तरह निराश जनक

अनूपपुर। जिले के समाजसेवी एवं युवा नेता पंडित विवेक मिश्रा ने कहा* कि यह सिर्फ और सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी है प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को बेहतर व सुरक्षित करने के बजट में कुछ नहीं है यह भाजपा सरकार द्वारा पेश किया गया बजट निराशाजनक एवं आम जनता के साथ छलावा है मध्य प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए सरकार के द्वारा किसी प्रकार की प्रभावी कदम नहीं उठाया गया नहीं दिखाया गया है जो भी दिखाया गया वह साफ-साफ गलत दिखाया गया प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की उम्मीदों को देख रही है।

अध्यापक संवर्ग को कब मिलेगा पुरानी पेंशन का लाभ

सिहोर- म प्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के शिक्षक-अध्यापक प्रकोष्ठ के प्रांताध्यक्ष मुकेश सिंह ने जारी विज्ञप्ति में बताया की म.प्र शासन द्वारा वर्ष 1998 से कार्यरत शिक्षा कर्मी संविदा शाला शिक्षक,अध्यापक संवर्ग , प्राथमिक,माध्यमिक,उच्च माध्य,शिक्षक जो विगत 23 वर्षों से शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं शासन द्वारा 2011 से उन्हें एन.एस.डी.एल न्यू पेंशन स्कीम के तहत नई पेंशन के पेंशन की परीधी में रखा गया है जबकि पुरानी पेंशन 2004 से बन्द की गई है शासन के इस दोहरे मापदण्ड से अध्यापक संवर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है क्योंकि जहां एक ओर विधायक / सांसदों को आज भी पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है जब न्यू पेंशन स्कीम इतनी ही लाभप्रद है तो कर्मचारियों के साथ -साथ माननीयों को भी एन.पी.एस के दायरे में लाया जाये । संघ के योगेन्द्र मिश्रा,प्रणव साहू , मनीष चौबे,नितिन अग्रवाल,गगन चौबे , मनोज सेन,श्यामनारायण तिवारी,धीरेन्द्र सोनी ,शुभसंदेश सिंगौर,सोनल दुबे,विजय कोष्टी , प्रियांशु शुक्ला,मनीष लोहिया,राकेश पाण्डे , मनीष शुक्ला,राकेश दुबे,गणेश उपाध्याय , आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अध्यापक संवर्ग को पुरानी पेंशन के दायरे में लाया जाये ।

नगर पालिका धनपुरी द्वारा स्वच्छता संकल्प माह 2022 केतहत् किया गया आयोजन

धनपुरी । मध्य प्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र क्र0-348 दिनाक-25.01.2022 के तहत् स्वच्छता संकल्प माह 01 फरवरी 2022 से 28 फरवरी 2022 तक आयोजित किया जाना है। नगर पालिका धनपुरी द्वारा आज दिनांक-03. 02.2022 को सीएण्डी अपशिष्ट संग्रहण सुविधायें कम से कम 50 वर्ग मीटर क्षेत्र का सीमांकन करते हुयें अच्छी तरह से बाड लगाया जाना थीम के तहत् वार्ड क्र0-06 रेलवे कालोनी धनपुरी एमआरएफ सेन्टर में सीएण्डी अपशिष्ट संग्रहण सुविधायें कम से कम 50 वर्ग मीटर क्षेत्र का सीमांकन कराया जाकर बाड लगाया गया । साथ ही नगर मे सूचित भी कराया गया कि जिनके घरो एवं व्यवसायीक प्रतिष्ठानो से निकलने वाले मलवा (सीएण्डी) नगर पालिका में सूचना एवं आवेदन प्रस्तुत करें एवं उसके लियें 500/- प्रतिट्राली की दर निर्धारित की गयी है एवं जो बिना सूचना के बाहर एवं रोड पर मलवा डालेगें उन पर 500/- का जुर्माना कियाजावेंगा। इसके साथ ही वार्डो मे विषेश साफ सफाई कराई गयी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड परासिया

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक 31/01/2022

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदाओ हेतु निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ क्रय करने की दिनांक 31/01/2022 से प्रारंभ है।

कार्य का नाम :- छिन्दवाडा जिले के खंड परासिया के विकासखण्ड परासिया के ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत नलजल योजनाओं मे रेट्रोफिटिंग कार्य के अंतर्गत, आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं सम्पवेल का निर्माण, सबमर्सिबल पम्पसेट प्रदाय, ब्रिक मेशोनरी वाल्व चेम्बर्स, पम्प हाउस, विभिन्न व्यास एवं प्रकार के राइजिग मेन एव डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के पाईप लाईन बिछाने एवं जोड़ने हेतु पाईप्स व स्पशल्स तथा शतप्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन, योजना के विद्युतिकरण सहित समस्त सामग्री प्रदाय कार्य, साथ ही 90 दिन ट्रायलरन एवं कमिश्निग सहित कार्य।(बी.ओ.क्यू. के अनुसार)

ई- टेण्डर आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक / दिनांक	ग्रामों की संख्या	अनुमानित लागत (रू.लाख) में	अमानत राशि रूपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि /समय	बिड ओपन करने की तिथि / समय	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2nd Call 2022_PHED_181920_1	78/21-22/ 31.01.22	विकासखण्ड परासिया के 10 विभिन्न ग्राम	373.81	373810	15000	15.02.2022 5.30 PM	17.02.2022 2.00 PM	नवीन केन्द्रीयकृत पद्धति पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत	9 माह

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क, केश-कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इन्टरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त बेवसाइड पर भुगतान कर केवल ऑनलाईन पर ही क्रय किए जा सकते है।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित बेवसाईड पर देखी जा सकती है।

सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वछता मिशन तथा
कार्यपालन यंत्री, लो.स्वा.यां.वि.
खण्ड परासिया (म.प्र.)

जी.-22261/21 दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी

कार्यालय नगर पालिका परिषद् नरसिंहपुर (मप्र)

क्रमांक - 3950/राशा/नपाप/2022 नरसिंहपुर दिनांक 3.2.2022

इश्तहार सूचना (भवन/प्लाट नामांतरण सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय द्वारा निम्नांकित आवेदनों पर नामांतरण कार्यवाही की जाना है। इस हेतु आज दिनांक 3.2.2022 से तीस दिवस के अंदर आपत्तियों का आव्हान किया जाता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियां एवं प्रमाण रहित आपत्तियां मान्य नहीं की जावेगी। सूचित होवें।

क्रं.	प्रकरण क्रं.	वार्ड का नाम	भवन/प्लाट	संपत्ति हस्तां. का माध्यम	हस्तांरणकर्त्ता का नाम-पता	हस्तान्तरिति का नाम-पता
1	338/03.01.22	राम	भवन	पंजी. बैनामा	मुकेश कुमार नेमा	नीलेश, निकेत नेमा
2	339/03.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी. बैनामा	नर्मदा डेवलपर्स	गीता चंदानी
3	340/04.01.22	आजाद	प्लाट	पंजी. बैनामा	चन्द्रकान्ता राय	नरेन्द्र राजपूत
4	341/05.01.22	इंदिरा	भवन	मृत्यु प्रमाणपत्र	रघुवर सिंह	वीरेन्द्र सिंह ठाकुर
5	342/05.01.22	इंदिरा	भवन	मृत्यु प्रमाणपत्र	रघुवर सिंह	धीरेन्द्र सिंह ठाकुर
6	343/05.01.22	गाँधी	प्लाट	मृत्यु प्रमाणपत्र	कस्तूरचंद जैन	संजीव जैन
7	344/06.01.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	राजेश मखीजा	वीरेन्द्र सिंह राजपूत
8	345/06.01.22	बजरंग	भवन	सहस्वामित्व	गोविन्दप्रसाद विश्वकर्मा	गोविन्द, रितु विश्वकर्मा
9	346/07.01.22	संजय	भवन	मृत्यु प्रमाणपत्र	प्रेमवती जोशी	मुन्नालाल जोशी
10	347/07.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी.बैनामा	नर्मदा डेवलपर्स	गुरुचरण छाबड़ा वगैहरा
11	348/07.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी.बैनामा	नर्मदा डेवलपर्स	नीतू पटवा
12	349/07.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी. बैनामा	नर्मदा डेवलपर्स	रश्मि चौकसे
13	350/07.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी. बैनामा	नर्मदा डेवलपर्स	मयंक चौधरी वगैहरा
14	351/11.01.22	किसानी	प्लाट	पंजी.बैनामा	तरुण जाट	लक्ष्मण सेन वगैहरा
15	352/11.01.22	शंकर	भवन	पंजी. बैनामा	कन्हैयालाल नामदेव	प्रकाश नामदेव
16	353/11.01.22	रानी अवन्ती	भवन	पंजी.बैनामा	मेघा पाठक	पूजा सिंह चौहान
17	354/11.01.22	पाठक	प्लाट	पंजी.बैनामा	अभिलाष ढीमोले	यशवंत राय
18	355/11.01.22	नरसिंह	भवन	पंजी.बैनामा	दिनेश कुमार शर्मा	सावित्री साहू
19	356/17.01.22	राम	भवन	पंजी. हकत्याग	प्रकाशचंद जैन वगैहरा	कैलाशचंद जैन
20	357/17.01.22	शास्त्री	प्लाट	पंजी. बैनामा	चंदाबाई सिंघई वगैहरा	जीतसिंह जाट
21	358/17.01.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	ओमकार सिंह लोधी	मो. सलीम
22	359/18.01.22	किसानी	प्लाट	पंजी. बैनामा	प्रेमवती मुदगल	मोतीलाल मेहरा
23	360/20.01.22	रानी अवन्ती	प्लाट	पंजी. बैनामा	सुनील पटैल,नरेश नामदे	सत्यपाल सिंह पटैल
24	361/21.01.22	शिवाजी	भवन	वसीयतनामा	शंकरलाल सोनी	सरला सोनी
25	362/24.01.22	शिवाजी	प्लाट	पंजी. बैनामा	प्रतिभा जैन	शमीम बानो
26	363/27.01.22	शिवाजी	भवन	मृत्यु प्रमाणपत्र	हरिनारायण ब्यौहार	श्रीमती कमल ब्यौहार
27	364/27.01.22	कामथ	प्लाट	पंजी. बैनामा	माया बाई चौधरी	सरिता मिश्रा
28	365/28.01.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	कन्हैया गाँधी	जयश्री खिरा
29	366/28.01.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	बीना धोडके	शशि बाई राजपूत
30	367/28.01.22	भगतसिंह	प्लाट	पंजी. बैनामा	रूपचंद यादव	कोमल गिर गोस्वामी
31	368/28.01.22	महा.लक्ष्मी	प्लाट	पंजी. बैनामा	कृष्णकुमार साहू	अचला ब्यौहार
32	369/28.01.22	महा.लक्ष्मी	प्लाट	पंजी. बैनामा	मूलचंद निगम वगैहरा	सत्येन्द्र ब्यौहार वगैहरा
33	370/31.01.22	तिलक	प्लाट	पंजी. दानपत्र	इंद्रकुमार चौकसे	आकाश चौकसे
34	371/31.01.22	निरंजन	प्लाट	पंजी.बैनामा	देवेन्द्र लखेरा	हरिशंकर साहू
35	372/01.02.22	रानी अवन्ती	प्लाट	पंजी.बैनामा	ऋचा गुप्ता	अनुपमा सोनी
36	373/01.02.22	रानी अवन्ती	प्लाट	पंजी.बैनामा	अजीत सिंह पटेल	संध्या साहू
37	374/01.02.22	शंकर	प्लाट	पंजी. बैनामा	सीताराम कुशवाहा	सुबीना बी बगेरह
38	375/02.02.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	ब्रजेन्द्र कुमार दुबे	राजकुमारी सोनी
39	376/02.02.22	संजय	भवन	वसीयतनामा	बेजंती बाई नेमा	तुलसीराम मेहरा हक्कू
40	377/02.02.22	मुशरान	भवन	पंजी. बैनामा	इकबाल अहमद	रोजम बी
41	378/02.02.22	मुशरान	प्लाट	पंजी.बैनामा	राकेश जैन बगेरह	राजकुमार चौधरी
42	379/02.02.22	शंकर	प्लाट	मृत्यु प्रमाणपत्र	कन्हैया लाल काछी	प्रभा बाई चढार बगेरह
43	380/02.02.22	तिलक	भवन	मृत्यु प्रमाणपत्र	विमल चंद बडकुर	अनिल कुमार बडकुर बगेरह

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर

जैकलिन फर्नांडिस संग लीक हुई तस्वीरों से परेशान है ठग सुकेश

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडिस (Jacqueline Fernandes) का नाम पिछले कुछ समय से लगातार विवादों में छाया हुआ है। ठग सुकेश चंद्रशेखर संग उनकी वायरल हुई प्राइवेट फोटोज ने हर किसी के होश उड़ा दिए थे।

इन तस्वीरों के लीक होने के बाद जैकलिन फर्नांडिस ने एक लम्बे-चौड़े पोस्ट में लोगों से प्राइवेसी की अपील कर डाली थी। जैकलिन फर्नांडिस के बाद अब सुकेश चंद्रशेखर ने भी इन लीक हुई तस्वीरों पर अपना रिएक्शन दे डाला है। मीडिया को लिखे गए एक लेटर में ठग सुकेश का कहना है कि इस तरह से तस्वीरों को लीक करना उनकी प्राइवेसी में खलल डालने जैसा है।

सुकेश ने की ये गुजारिश

लेटर में सुकेश चंद्रशेखर ने लिखा है कि उन्हें तस्वीरों के लीक होने की जानकारी न्यूज के जरिए मिली और ये जानकर उन्हें दुख हुआ है कि उनकी प्राइवेट तस्वीरों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। लेटर में सुकेश ने गुजारिश की है कि लोग इन तस्वीरों को गलत तरीके से सर्कुलेट ना करें क्योंकि ये उनकी प्राइवेसी से जुड़ा हुआ है।

जैकलिन के लिखी ये बात

सुकेश चंद्रशेखर ने इस लेटर में साफ-साफ लिखा है कि जैकलिन फर्नांडिस के लिए उनके दिल में सॉफ्ट कॉर्नर है। सुकेश ने गुजारिश की है कि लोग जैकलिन फर्नांडिस को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश ना करें क्योंकि उनके लिए ये सब कुछ इतना आसान नहीं होगा और वह गलत नहीं हैं। इसी के साथ सुकेश ने ये भी लिखा है कि उन्होंने जैकलिन और उनके परिवार के लिए जो कुछ भी किया है वो कोई भी इंसान करेगा अगर वो किसी से प्यार करता है।

कबूली रिलेशनशिप की बात

ठग सुकेश चंद्राशेखर ने पहले भी ये बात कबूल की है कि वह जैकलिन फर्नांडिस संग रिश्ते में थे। हालांकि जैकलिन फर्नांडिस की ओर से यही बात सामने आई है कि वो सुकेश संग रिलेशनशिप में नहीं थीं। सुकेश ने अपने लेटर में एक बार फिर से जैकलिन संग अपने रिलेशनशिप की बात कबूली है। लेटर में लिखा है कि वह जैकलिन संग रिलेशनशिप में थे और किसी फायदे के लिए ऐसा नहीं किया गया था जैसा दिखाने की कोशिश की जा रही है।

सारा अली खान ने स्पॉट गर्ल को स्विमिंग पूल में मारा धक्का, लोगों ने लगा दी क्लास

सारा अली खान (Sara Ali Khan) ने कम समय में ही लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है। अपनी जबरदस्त अदाकारी के साथ ही साथ अपने फन लविंग नेचर के चलते वो तमाम लोगों की चहेती बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर सारा अली खान के कई वीडियो सामने आते रहते हैं। इस समय उनका एक प्रैंक वीडियो चर्चा में है। इस वीडियो में सारा अली खान के साथ उनकी स्पॉट गर्ल भी नजर आ रही हैं। वीडियो में सारा अली खान ने अपनी स्पॉट गर्ल के साथ ऐसा मजाक किया है कि अब लोग उल्टा उनकी ही क्लास लगाने लगे हैं।

स्पॉट गर्ल को पानी में दिया धक्का सामने आए इस वीडियो को खुद सारा अली खान ने ही सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में सारा अली खान अपनी स्पॉट गर्ल के साथ स्विमिंग पूल के किनारे पोज देती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो में सारा अली खान सफेद रंग की बिकिनी में नजर आ रही हैं और कुछ ही सेकंड के अंदर वह अपनी स्पॉट गर्ल को पानी में धक्का भी मार देती हैं। स्पॉट गर्ल को धक्का मारने के बाद खुद सारा अली खान भी पानी में कूद जाती हैं। आपको बता दें कि एक फैन ने सारा अली खान से पूछा था कि क्या कभी उन्होंने किसी के साथ बहुत ही खराब प्रैंक किया है? इसके जवाब में ही सारा अली खान ने सोशल मीडिया पर इस वीडियो को शेयर किया है।

लोगों ने लगाई क्लास

इस वीडियो को देखने के बाद लोगों ने सारा अली खान खान की क्लास लगानी शुरू कर दी है। एक यूजर ने लिख दिया है, %ये प्रैंक था? ये प्रैंक नहीं है ये बदतमीजी है।% इसी के साथ एक यूजर ने लिखा है, %माफ करिएगा सारा लेकिन ये आपने बहुत गलत किया है। क्या आपके साथ ऐसा होता तो आप बर्दाश्त कर पाती?% सारा अली खान का ये वीडियो सामने आने के बाद मिनटों में ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गया द ग्रेट इंडियन मर्डर

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने नई मर्डर मिस्ट्री %द ग्रेट इंडियन मर्डर% के साथ वापसी की है। प्रतीक गांधी और ऋचा चड्ढा पुलिस के किरदार में हैं। प्रतीक और ऋचा के साथ ही इस सीरीज में आशुतोष राणा भी एक खास भूमिका में दिखेंगे। सीरीज की कहानी छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री के उस बेटे की हत्या का केस सुलझाने की है, जिसे दो आदिवासी किशोरियों के बलात्कार और हत्या के केस में मिली रिहाई की पार्टी में कोई मार देता है। इस सीरीज का निर्देशन तिग्मांशु धूलिया ने किया है। दर्शकों को जबरदस्त क्राइम थ्रिलर देखने को मिलने वाला है। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं The Great Indian Murder से जुड़ी हर जानकारी...

कब और कहां देखें

कब रिलीज होगी- द ग्रेट इंडियन मर्डर आप 4 फरवरी से देख सकते हैं।

कहां रिलीज होगी- आप इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसके लिए आपके मोबाइल में डिज्नी प्लस हॉटस्टार एप और उसका सब्सक्रिशन होना जरूरी है। वहीं अगर आपके पास एयरटेल या जियो का ब्रॉडबैंड प्लान हैं तो आप Disney+ Hotstar पर कोई भी सीरीज या फिल्म देख सकते हैं।

'सिक्स सस्पेक्ट्स' किताब पर आधारित है सीरीज

%द ग्रेट इंडियन मर्डर% क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज होगी। 'द ग्रेट इंडियन मर्डर' चर्चित लेखक विकास स्वरूप की किताब 'सिक्स सस्पेक्ट्स' पर आधारित है। सीरीज के निर्माता अजय देवगन हैं।दर्शकों को उम्मीद है कि ये सीरीज दमदार होने वाली है। द ग्रेट इंडियन मर्डर (The Great Indian Murder) डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम समेत बंगाली भाषा में स्ट्रीम होगी।

ये कलाकार आएंगे नजर

विजय मौर्या और पुनीत शर्मा की लिखी इस सीरीज में प्रतीक गांधी और ऋचा चड्ढा के अलावा आशुतोष राणा, रघुबीर यादव, शारिब हाशमी, अमेय वाघ, जतिन गोस्वामी, शशांक अरोरा, पाओली डैम आदि कलाकार भी दिखेंगे।

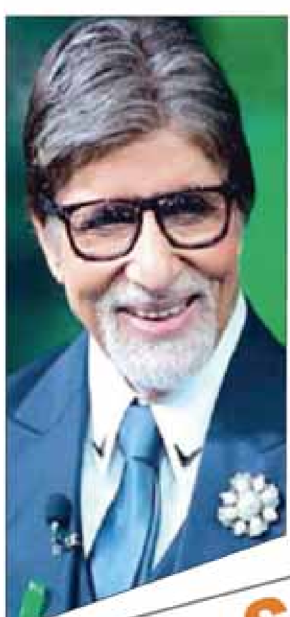

बिग बी फिर बने नाना गूंजीं किलकारियां...

मुंबई। फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में इन दिनों मानो खुशियों की एक लहर सी छाई हुई। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन एक बार फिर भी नाना बन गए हैं। अमिताभ के परिवार में एक बेबी ब्वॉय ने जन्म लिया है। दरअसल, फिल्म अभिनेता कुणाल कपूर और नैना बच्चन के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। कुणाल ने खुद ये गुड न्यूज अपने फैंस के साथ शेयर की है। आपको बता दें कि कुणाल की पत्नी नैना बच्चन बिग बी के भाई की बेटी हैं उस हिसाब से अमिताभ एक बार फिर से नाना बन गए हैं। एक्टर ने नैना की प्रेग्नेंसी को काफी सीक्रेट रखा हुआ था।

लाइफ Style

शहनाज

एक शो से बदल गई जिंदगी

परिवार की मर्जी के खिलाफ एक्टिंग की दुनिया मे कदम रखा है। उन्होंने आगे कहा था कि जब देर रात मै शूटिंग करके वापस आती थीं तो घर मे काफी झगड़े होते थे। घरवालों के साथ मेरे लगातार झगड़े होते रहते है और इसी वजह से मैने शादी भी नही की थी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभिनेत्री शहनाज गिल आज काफी फेमस हो गई हैं। शहनाज गिल ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से की थी। शहनाज को फैन्स के बीच पंजाब की कैटरीना कैफ भी कहा जाता है। वहीं आज शहनाज गिल ने अपना जन्मदिन मनाया, और वो पूरी 28 साल की हो गई हैं। शहनाज गिल का जन्म चंडीगढ़ में हुआ है। शहनाज बचपन से ही एक्टिंग करना चाहती थीं और इसलिए उन्होंने काफी छोटी उम्र में मॉडलिंग करना भी शुरू कर दिया था, लेकिन शहनाज गिल का परिवार नहीं चाहता था कि वो एक्टिंग करें। इसके बाद मैंने अपना घर छोड़ दिया और किसी से भी कोई रिश्ता नहीं रखा। वहीं जब मैं फेमस हुई और मेरी पॉपुलेरिटी बढ़ने लगी तो मेरे परिवार को मुझपर काफी गर्व हुआ और वो मुझे वापस घर ले गए। उनका परिवार चाहता था कि वो शादी करके घर बसाए लेकिन उन्होंने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने आगे कहा था कि जब देर रात मैं शूटिंग करके वापस आती थीं तो घर में काफी झगड़े होते थे। घरवालों के साथ मेरे लगातार झगडे होते रहते हैं और इसी वजह से मैंने शादी भी नहीं की थी।

टीवी मसाला

बिग बॉस से निकलने के बाद पति संग नजर आईं राखी...

मुंबई। राखी सावंत सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री पिछले कुछ दिनों से अपनी शादी और पति पर दिये बयान को लेकर भी सुर्खियों में हैं। 'ड्रामा क्वीन' के नाम से चर्चित राखी हाल ही में टीवी के प्रमुख शोज में से एक बिग बॉस 15 के घर से बाहर हुईं। बता दें कि शो में राखी ने पति रितेश के साथ एंट्री की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी को लेकर भी तमाम बातें कही थीं और पति से सर्टिफिकेट की मांग की थी। शो से निकलने के बाद दोनों पहली बार एक साथ नजर आए। राखी सावंत को इससे पहले कभी रितेश के साथ पब्लिक प्लेस पर कभी नहीं देखा गया था। वहीं 'बिग बॉस' से बाहर होने के बाद वो पहली बार पति के साथ स्पॉट हुई हैं। इस दौरान उन्होंने पपराजी से काफी बातें की। राखी सावंत को मुंबई के एक जिम के बाहर पति रितेश के साथ स्पॉट किया गया। उस दौरान उन्होंने ऑरेंज ट्रैक पैंट और एक जैकेट पहनी ही थी। साथ ही उन्होंने गुलाबी रंग का मास्क भी लगाया हुआ था। वहीं उनके पति रितेश सफेद टी-शर्ट, जींस और ब्लैक गॉगल्स पहने हुए नजर आए थे।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम प्रिया ने पति संग किया रोमांटिक डांस...

मुंबई। हाल ही में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में रीटा रिपोर्टर निभाने वाली अभिनेत्री प्रिया आहूजा ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वो अपने पति के साथ रोमांटिक डांस करती नजर आ रही हैं। सोनी सब पर प्रसारित होने वाला कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जाता है। शो में रीटा रिपोर्टर का किरदार निभाने वाली प्रिया आहूजा राजदा को भी शो से काफी प्रसिद्धि मिली है। शो में भले ही प्रिया को सीधे साधे रोल मे देखा गया है लेकिन अपनी रियल लाइफ मे वो काफी ग्लैमरस और बोल्ड है। इसी के साथ प्रिया को सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव देखा जाता है। आए दिन वो अपने फोटो और वीडियोज फैन्स के साथ शेयर करती नजर आती हैं। इसी क्रम मे उन्होंने हाल ही में अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। प्रिया ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि वो अपने पति मलव राजदा के साथ रोमांटिक डांस करती नजर आ रही हैं।

दिव्यांका का खुलासा : रोल देने डायरेक्टर ने रखी ऐसी शर्त

मुंबई। अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी हमेशा ही सोशल मीडिया पर चर्चाओं में बनी रहती हैं। एक बार वो सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल उन्होंने हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने अपने करियर के दौरान कास्टिंग काउच का सामना करने की घटना को याद किया। उन्होंने इस इंटरव्यू में बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था तो बहुत भोली थी तब उन्हें एक निर्देशक के साथ सोने के लिए कहा गया था। अभिनेत्री ने आगे कहा 'एक समय था जब मेरे पास पैसे नहीं थे। मुझे अपने बिल, ईएमआई चुकाने के लिए बहुत दबाव था। फिर मुझे एक प्रस्ताव आया कि 'आपको इस निर्देशक के साथ रहना होगा और उसके बाद आपको एक बड़ा ब्रेक मिलेगा'। वो लोग आपको इस तरह बताए हैं कि ये ही एक चीज है जो आपकी जिंदगी बना सकती है'। दिव्यांका ने अपने करियर संघर्षों को याद किया और अपने अनुभवों के बारे में बताया। उन्हें उस समय केवल सही और गलत की अपनी समझ पर भरोसा करना था, जिसका श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता और बहन को दिया है।

रामसेतू की शूटिंग पूरी रिलीज डेट तय नहीं

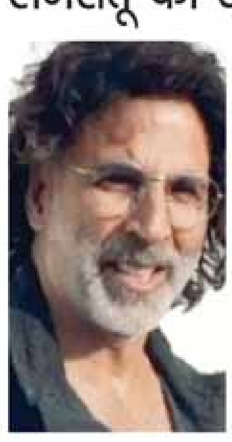

मुंबई। अक्षय कुमार बीते दिनों अपनी फिल्म राम सेतू को लेकर काफी बिजी थे लेकिन अब फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म शूटिंग की रैप अप वीडियो अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर शेयर की है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ जैकलीन फर्नांडीज लीड रोल में हैं। इस वीडियो में अक्षय कुमार का कहना है - राम सेतू को बनाने के लिए वानर सेना लगी थी और मेरी फिल्म राम सेतू को बनाने में ये सेना लगी है। इस वीडियों में फिल्म की स्टार कास्ट और बाकी क्रू मेंबर्स नजर आ रहे हैं और केक काटकर जश्न भी मना रहे हैं। फिलहाल फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में कुछ भी फाइनल नहीं है। कोरोना को लेकर हालात सुधर रहे हैं ऐसे में पूरी संभावना है कि फिल्म को थियेटर में ही रिलीज किया जाएगा।

पहले मिली शाबाशी फिर गोरखपुर थाना प्रभारी को भेजा पुलिस लाइन

जबलपुर, यशभारत। पुलिस महकमा में गोरखपुर थाना प्रभारी पर लाइन अटैच की कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा गोरखपुर थाना प्रभारी अर्चना नागर पर लाइन अटैच की कार्रवाई की गई। कार्रवाई का मुख्य कारण लापरवाही बताया गया है।

लेकिन यहां जानकर हैरानी होगी कि थाना प्रभारी ने बीते दिनों मंडवा बस्ती में हुए 307 प्रकरणों का निपटारा और आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की थी जिसको लेकर एसपी ने बधाई भी दी थी। साथ ही 420 के प्रकरणों को निपटाने में गत दिवस थाना प्रभारी को 500 रूपए का इनाम भी दिया गया था। इसके बाबजूद थाना प्रभारी को लापरवाह मानकर लाइन अटैच की कार्रवाई की गई। जिसको लेकर पुलिस विभाग में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इस कार्यवाही से जनता भी हैरान हैं कि आखिर लाइन अटेच क्यों किया,। उनकी कार्यप्रणाली से जनता में अप्रिय तत्वों का भय कम हो गया था। जुआ ,सटा खिलाने वाले भाग खड़े हो गए थे

क्षेत्रीय लोगों में दिखा आक्रोश

थाना प्रभारी पर लाइन अटैच की कार्रवाई को लेकर क्षेत्रीय लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर कार्रवाई लेकर चर्चा की।

कई बार मिला पुरस्कार

गोरखपुर थाना प्रभारी अर्चना नागर को अनेक बार आरोपियों को सजा दिलाने में पुरस्कार-प्रशंसा मिल चुकी है। यह किसी से छिपा नहीं है कि गोरखपुर थाना प्रभारी की कार्यशैली कैसी थी। हत्या हो या फिर 307 के प्रकरण या फिर अन्य कोई मामले सभी में थाना प्रभारी ने तत्परता से कार्य करते हुए आरोपियों को जेल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। पूरे प्रकरण को लेकर थाना प्रभारी से दूरभाष में चर्चा करना चाही लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

शुभकामनाओं के साथ पदभार ग्रहण किया कलेक्टर ने

स्वास्थ्य शिक्षा पहली प्राथमिकता : इलैयाराजा

जबलपुर, यशभारत। नवागत कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी ने जबलपुर पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि हेल्थ-शिक्षा पर विशेष ध्यान दूंगा।

नवागत कलेक्टर ने कहा कि कोविड का दौर चल रहा है, और जबलपुर की स्थिति बहुत बेहतर कोशिश करूंगा कि हेल्थ व्यवस्था में और सुधार हो। शिक्षा पर विशेष फोकस करूंगा। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य प्रकरणों को देखा जाएगा, अधिकारियों से भी चर्चा की जाएगी।

कलेक्टर इलैयाराजा को पुष्पगुच्छ से शुभकामनाएं देते कर्मवीर शर्मा

आते ही अधिकारियों से चर्चा

नवागत कलेक्टर ने आते ही अपने स्टाफ से चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने सभी से परिचय प्राप्त किया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि समन्वय बनाकर काम करने से सफलता मिलती है। इसलिए सभी एक जुटता से काम करे, सभी परेशानियों को दूर किया जाएगा।

स्थानांतरण कलेक्टर कर्मवीर शर्मा से प्राईम टाइम विद आशीष शुक्ला में विशेष चर्चा शाम 6 बजे यश भारत के यू-ट्यूब चैनल पर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)